कोटद्वार, शुक्रवार
21 मार्च 2025
वर्षः 46
अंकः 303 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

संस्थापकः स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

ट्रेन से कटकर आरपीएफ सिपाही की मौत

हरिद्वार। आरपीएफ (रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स) के एक सिपाही की हरिद्वार रेलवे स्टेशन पर संदिग्ध परिस्थितियों में ट्रेन से कटकर मौत हो गई। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है, लेकिन कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। रेलवे ट्रैक पर धड़ और गर्दन अलग देखकर रेल यात्री सहम गए। जीआरपी और आरपीएफ की टीमों ने घटना की जानकारी लेते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। रेलवे पुलिस के मुताबिक, आरपीएफ में तैनात अरविंद तोमर निवासी सडकपुर जोनमाना थाना बढ़ौत, बागपत एक माह पहले ही वेस्टर्न रेलवे रतलाम से ट्रांसफर होकर हरिद्वार आया था। अरविंद की पत्नी पहले से रुड़की आरपीएफ में तैनात है। गुरुवार को अरविंद वर्दी पहन रेलवे स्टेशन पर पहुंचा और प्लेटफार्म नंबर एक पर संदिग्ध परिस्थितियों में हुगली एक्सप्रेस से कटकर उसकी मौत हो गई। ट्रेन गुजरने के बाद जब उसका धड़ और सिर अलग होने पर यात्रियों की भीड़ जमा हो गई।

यमुनोत्री धाम में क्षतिग्रस्त स्नान घाटों का सुरक्षात्मक कार्य अभी नहीं हो सका शुरू

उत्तरकाशी। चारधाम यात्रा शुरू होने के लिए अब डेढ़ महीने का समय भी शेष नहीं रहा है, लेकिन यात्रा मार्ग पर यात्रा तैयारियों को लेकर धरातल पर कुछ दिखाई नहीं दे रहा है। यमुनोत्री पैदल मार्ग से लेकर यमुनोत्री धाम में स्नान घाट जगह–जगह क्षतिग्रस्त हो रखे हैं, जिनका सुधारीकरण कार्य अभी नहीं हो सका है। जिससे यहां आने वाले तीर्थ यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। इस बार अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर 30 अप्रैल को यमुनोत्री धाम के कपाट श्रद्धालुओं के लिए दर्शनार्थ खोल दिए जाएंगे, कपाट खुलने के लिए अब डेढ़ महीने का समय भी शेष नहीं रह गया है, लेकिन यात्रा व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने की तैयारी यमुनोत्री धाम में नहीं दिखाई दे रही है। बरसात के मौसम में यमुनोत्री धाम में यमुना नदी की बाढ़ से स्नान घाट को नुकसान हुआ है। साथ ही पैदल मार्ग भी जगह जगह से क्षतिग्रस्त हो रखा है। क्षतिग्रस्त स्नान घाटों को स्नान के लिए सुरक्षित बनाने को लेकर इनका सुधारीकरण किया जाना जरूरी है, जिससे देश–विदेश से यहां आने वाले श्रद्धालु यमुना नदी में सुगमता पूर्वक स्नान कर सकें। यमुनोत्री मंदिर समिति के प्रवक्ता पुरुषोत्तम उनियाल, पूर्व पंच पड़ा समिति के अध्यक्ष मनमोहन उनियाल आदि का कहना है कि जुलाई में बरसात के मौसम में यमुनोत्री धाम में स्थान घाट क्षतिग्रस्त हो गए, जिनका सुधारीकरण किया जाना है।

कर्नाटक में बिजली हुई महंगी

बेंगलुरु। कर्नाटक में बिजली उपभोक्ताओं को अधिक बिजली बिल चुकाना होगा। कर्नाटक विद्युत विनियामक आयोग (केईआरसी) ने बिजली की कीमतों में बढ़ोतरी कर उपभोक्ताओं को झटका दिया है। एक अप्रैल से बिजली पर प्रति यूनिट 36 पैसे अतिरिक्त अधिभार या सरचार्ज के रूप में देना होगा। यह कदम केईआरसी द्वारा बिजली आपूर्ति कंपनियों (ईएससीओएम) को पेंशन और ग्रेच्युटी (पीएंडजी) योगदान में सरकार का हिस्सा उपभोक्ताओं से वसूलने की अनुमति देने के बाद उठाया गया है।

उत्तराखंड बोर्ड रिजल्ट का बनेगा रिकार्ड

देहरादून। उत्तराखंड बोर्ड परीक्षाओं का रिजल्ट इस साल रिकार्ड समय के भीतर आएगा। सरकार ने इस वर्ष 20 अप्रैल तक रिजल्ट जारी करने का लक्ष्य रखा है। पहली बार हर मूल्यांकन केंद्र से ही छात्रों के नंबरों को ऑनलाइन दर्ज किया जाएगा। शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने शिक्षा अधिकारियों को बोर्ड परीक्षाओं के रिजल्ट को 20 अप्रैल तक तक जारी करने का लक्ष्य दिया है। अब तक बोर्ड का रिजल्ट 30 अप्रैल या उसके बाद ही जारी हो पाता था। विद्यालयी शिक्षा परिषद–रामनगर के सभापति डा. मुकुल कुमार सती ने बताया कि बोर्ड परीक्षाओं की कापियों का मूल्यांकन शुरू कर दिया गया है। प्रदेश भर के 29 मूल्यांकन केंद्रों में 4500 के करीब शिक्षक विषयवार उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कर रहे हैं। मूल्यांकन चार अप्रैल तक चलेगा। मालूम हो कि इस वर्ष हाईस्कूल और इंटर की बोर्ड परीक्षाओं में 2.23 लाख छात्र–छात्राएं शामिल हुए हैं।

सेना को मिलेंगी आधुनिक होवित्जर तोपें

7000 करोड़ के सौदे को हरी झंडी, पाकिस्तान व चीन सीमा पर होगी तैनाती

नई दिल्ली। भारतीय सेना को जल्द 307 उन्नत टोड आर्टिलरी गन सिस्टम मिलने जा रहे हैं। सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति ने इनके अधिग्रहण को मंजूरी दे दी है। लगभग 7000 करोड़ रुपये में इनका अधिग्रहण किया जाएगा। सरकार की इस पहल को आर्टिलरी गन निर्माण में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। चीन और पाकिस्तान सीमा पर इन तोपों की तैनाती से सशस्त्र बलों को महत्वपूर्ण रणनीतिक बढ़त मिलेगी।

अत्याधुनिक तकनीक से लैस हैं तोपें

निर्माण और डिजाइन स्वदेशी स्तर पर किया जा रहा है। 155 मिमी ७ 52 कैलिबर की होवित्जर तोप के नाम भी जाना जाता है। इन तोपों का प्रदर्शन स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले के सामने भी हो चुका है। पहली स्वदेशी रूप से विकसित 155 मिमी की आर्टिलरी गन है। यह तोप अत्याधुनिक तकनीक और बेहतरीन मारक क्षमता से लैस है। इससे न केवल सेना की ताकत में इजाफा होगा बल्कि स्वदेशी हथियारों का शक्ति प्रदर्शन होगा। लंबी दूरी तक मार करने में सक्षम तोपों की श्रेणी को होवित्जर कहा जाता है।

40 किमी तक मार करने कर सकती है। बड़े कैलिबर की वजह से यह तोप दूर तक मार करने में सक्षम है। प्रोजेक्ट की शुरुआत 2013 में किया गया था। इसका उद्देश्य सेना की पूरी तोपों को आधुनिक आर्टिलरी गनों में तब्दील करना था। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (ऊफ्रऊ्ड) ने विकसित किया है और निजी कंपनियों के सहयोग से इसका निर्माण किया जाएगा।

विदेश पर निर्भरता होगी कम

आर्टिलरी गन में इस्तेमाल 65 फीसदी से अधिक पार्ट्स को घरेलू स्तर पर तैयार किया गया है। इनमें बैरल, ब्रीच मैकेनिज्म, फायरिंग, रिकॉइल सिस्टम और गोला–बारूद हैंडलिंग मैकेनिज्म शामिल हैं।

महिला दरोगा से दुष्कर्म–ब्लैकमेलिंग में सिपाही गिरफ्तार

देहरादून। महिला दरोगा से दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग में आरोपी सिपाही को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के बाद उसे कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट से आरोपी को 14 दिन की न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। महिला दरोगा की तहरीर पर मामले में पटेलनगर कोतवाली में केस दर्ज हुआ। आरोप लगाया कि उसके साथ कार्यालय में सिपाही असलम तैनात था। महिला का आरोप है कि असलम ने उसे ब्लैकमेल कर दुष्कर्म किया। शिकायत में आरोप लगाया कि दोनों के बीच कई बार शारीरिक संबंध बने। दोनों साथ में देहरादून से बाहर घूमने आए होटलों में साथ में ठहरे थी। एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि पीड़िता की तहरीर आरोपी सिपाही के खिलाफ बीएनएस की धारा 115(2),126(1), 308, 351(2), 351(3), 352, 64, 77 और 78 के तहत केस दर्ज किया गया है। मामले की जांच के लिए पुलिस अधीक्षक देहात (विकासनगर) के पर्यवेक्षण में गठित टीम की गई। टीम ने महिला दरोगा के बयान दर्ज किए, मेडिकल कराया और अन्य साक्ष्य जुटाए। इसके बाद आरोपी सिपाही अलसम को गिरफ्तार कर बुधवार को कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट से आरोपी को जेल भेजा गया।

चारधाम यात्राः पहले दिन 1.45 लाख श्रद्धालुओं ने पंजीकरण कराए

देहरादून। चार धाम यात्रा के लिए पहले दिन 1.45 लाख श्रद्धालुओं ने पंजीकरण कराए। सबसे अधिक केदारनाथ धाम के लिए 47426 श्रद्धालुओं ने पंजीकरण कराए। बदरीनाथ धाम के लिए 43471 पंजीकरण हुए। वेब पोर्टल से 142587 और मोबाइल एप के जरिए 2916 श्रद्धालुओं के पंजीकरण हुए। केदारनाथ, बदरीनाथ के अलावा गंगोत्री धाम के लिए 27098 श्रद्धालुओं ने पहले दिन पंजीकरण कराए।

यमुनोत्री धाम के लिए 26471 पंजीकरण हुए। हेमकुंड साहिब के लिए 1037 श्रद्धालुओं ने ही पंजीकरण कराया। पहले दिन गुरुवार शाम चार बजे तक 145503 हुए पंजीकरण से उम्मीद यही जताई जा रही है कि इस बार चार धाम यात्रा में श्रद्धालुओं की संख्या का एक नया रिकॉर्ड बनेगा। पिछले साल सभी धामों में 48 लाख श्रद्धालु दर्शन को पहुंचे थे।

श्रद्धालुओं के लिए पर्यटन विभाग ने जारी की सलाह

चार धाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए पर्यटन विभाग ने सलाह जारी की है। साफ किया कि यात्रा से पूर्व आधार प्रमाणित पंजीकरण अनिवार्य है। रजिस्ट्रेशन में सही मोबाईल नम्बर दर्ज कराया जाए। धामों पर दर्शन को टोकन जरूर प्राप्त किए जाएं। यात्रा के दौरान अपने साथ पर्याप्त ऊनी कपड़े, छतरी, रेनकोट को जरूर रखा जाए। पंजीकरण प्रक्रिया के दौरान सटीक स्वास्थ्य जानकारी प्रदान की जाए। वरिष्ठ नागरिक यात्रा से पहले अपने स्वास्थ्य की जांच करवाएं। दवाई लेने वाले श्रद्धालु प्रचुर मात्रा में अपने साथ दवाई का स्टॉक रखें। यात्रा मार्ग पर विभिन्न पड़ावों पर विश्राम करते हुए ही यात्रा पर आगे बढ़ें। ताकि जलवायु अनुकूल हो सके। अस्वस्थ महसूस करने पर आगे यात्रा को न करें। यात्रा मार्गों को साफ सुथरा रखने को गंदगी न फैलाई जाए। धामों को साफ रखने में सहयोग किया जाए। वाहनों की गति को नियंत्रित रखते हुए वाहनों को सही स्थानों पर ही पार्क किया जाए।

बिचौलियों से दूरी बनाते हुए ठगी से बचा जाए

पर्यटन विभाग ने हेलीकॉप्टर टिकट प्रदान करने का दावा करने वाले अनाधिकृत व्यक्तियों से बचने की सलाह दी। कहा कि सिर्फ अधिकृत वेबसाइट से टिकट बुक किए जाएं। इसके साथ ही धामों पर दर्शन कराने का दावा करने वाले अनाधिकृत व्यक्तियों से बचा जाए।

कृषकों की आय बढ़ाने के लिए ज्ञान-विज्ञान के साथ परंपरागत खेती को बढ़ावा दें : धामी

कृषि और उद्यान के क्षेत्र में आर्थिकी बढ़ाने के लिए नवाचार पर विशेष ध्यान दिया जाए

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : राज्य में कृषकों की आय बढ़ाने के लिए ज्ञान-विज्ञान के साथ परंपरागत खेती को बढ़ावा दिया जाए। जिन क्षेत्रों में किसान अच्छा कार्य कर रहे हैं, उन्हें उसी क्षेत्र में और बेहतर कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। विभागों द्वारा जो भी कार्य किये जा रहे हैं, उनका परिणाम धरातल पर दिखें। आगामी वित्तीय वर्ष के लिए विभागों द्वारा जिन योजनाओं पर कार्य किया जा रहा है, उनकी भौतिक स्थिति, वित्तीय प्रगति, आउटकम और आउटपुट के आधार पर कार्य किये जाएं, ताकि बजट का भी सही तरीके से उपयोग हो और लोगों की आजीविका भी बढ़े।

ये निर्देश मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरूवार को सचिवालय में कृषि, उद्यान और सहकारिता विभाग की गेम चेंजर योजनाओं की समीक्षा के दौरान दिये।

कृषि और उद्यान विभाग की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि कृषि और उद्यान के क्षेत्र में आर्थिकी बढ़ाने के लिए नवाचार पर विशेष ध्यान दिया जाए। क्लस्टर आधारित खेती को बढ़ावा दिया जाए। मिलेट को राज्य में और बढ़ावा दिया जाए। पॉलीहाउस के निर्माण में तेजी लाई जाए। एरोमा, एप्पल मिशन, कीवी मिशन के साथ ही उत्तराखण्ड के पारंपरिक उत्पादों और फलों के उत्पादन को बढ़ाने की दिशा में कार्य किये जाएं। नाशपती, प्लम, माल्टा, नारंगी, आड़ू के उत्पादन बढ़ाने के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया जाए। जिन फसलों को जानवर नुकसान नहीं पहुंचाते हैं, उनको बढ़ावा दिया जाए और औषधीय पादपों के उत्पादन को बढ़ाने के लिए कृषकों को जागरूक किया जाए। बैठक में कृषि मंत्री गणेश जोशी, अपर मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन, प्रमुख सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम, सचिव शैलेश बगोली, श्रदिलीप जावलकर, एस.एन पाण्डेय, विनय शंकर पाण्डेय, रणवीर सिंह चौहान, अपर सचिव श्रीमती सोनिका, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी सीपीपीजीजी मनोज पंत सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

वैल्यूचैन सिस्टम को मजबूत बनाया जाएं

सहकारिता विभाग की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने निर्देश दिये सहकारिता के क्षेत्र में लोगों को उचित प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाए। किसानों को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए वैल्यूचैन सिस्टम को मजबूत बनाया जाए।

राज्य में किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) को बढ़ाने के साथ ही किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में प्रयास किये जाएं। आगामी 05 साल में प्रदेश की सभी ग्राम सभाओं को पैक्स से जोड़ा जाए।

ऑनलाइन अश्लील सामग्री पर केंद्र सरकार सख्त

नई दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक्स व आईटी मंत्रालय का कहना है कि नए आईटी नियमों के तहत ऑनलाइन अश्लील फोटो–वीडियो और हानिकारक सामग्री को शीघ्रता के हटाना अनिवार्य है।

इलेक्ट्रॉनिक्स व आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संसद को बताया कि नए आईटी नियम के तहत इंटरमीडिएरिज को 24 घंटे के भीतर किसी भी ऐसे सामग्री को हटाना होगा जो पहली दृष्टि में किसी व्यक्ति के निजी हिस्से को दर्शाती है।

किसी व्यक्ति को पूरी तरह से या आंशिक रूप से नग्न दिखाती है या ऐसे व्यक्ति को किसी यौन क्रिया या व्यवहार करते हुए दर्शाती है।

अश्लील सामग्री दिखाने पर सजा का प्राविधान

शिकायतकर्ता अपनी शिकायत पर सोशल मीडिया इंटरमीडिएरिज के शिकायत अधिकारी द्वारा की गई कार्रवाई पर संतुष्ट नहीं होने पर अपील कमेटी में भी जा सकता है। आईटी एक्ट 2000 में इलेक्ट्रॉनिक रूप से अश्लील सामग्री दिखाने पर सजा का प्रविधान किया गया है।

गुलदार को जिंदा जलाने वाले 5 लोगों को हुई सजा, लगाया जुर्माना

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिले के पाबौ ब्लॉक में पिंजरे में कैद गुलदार को जिंदा फूंकने के मामले में पांच लोगों को दोषी मानते हुए मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत ने बुधवार को सजा सुनाई। सहायक अभियोजन अधिकारी वर्षा ने बताया कि पाबौ ब्लॉक के भट्टी, सरणा, कुलमोरी व सपलोड़ी समेत कई गांवों में वर्ष 2022 में गुलदार ने आतंक मचा रहा था। उसने एक महिला को भी मार डाला था। इससे ग्रामीणों में आक्रोश था। वन विभाग द्वारा लगाए एक पिंजरे में 24 मई 2022 की सुबह एक गुलदार कैद हो गया था। ग्रामीणों ने पिंजरे में कैद इस गुलदार को जिंदा जला दिया था। वन विभाग ने घटना को अमानवीय बताते हुए कोतवाली पौड़ी में तहरीर दी थी। पुलिस ने तत्कालीन ग्राम प्रधान समेत पांच ग्रामीणों के विरुद्ध वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, लोक सेवक के कामकाम में बाधा समेत कई धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। मामले में सुनवाई के बाद मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पौड़ी लक्ष्मण सिंह की अदालत ने सपलोड़ी के तत्कालीन ग्राम प्रधान अनिल नेगी, चोपड़ा निवासी देवेंद्र सिंह व सरणा निवासी सरिता देवी, भुवनेश्वरी देवी और कैलाशी देवी को दोषी माना। मामले में कोर्ट ने तत्कालीन ग्राम प्रधान और चार अन्य को एक-एक वर्ष के साधारण कारावास की सजा के साथ साढ़े तीन-साढ़े तीन हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया। अर्थदंड न देने पर दोषियों को 15 दिन का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

भाजपा ने जारी किया तीन लाइन का व्हिप

अपने सभी सांसदों को लोकसभा में मौजूद रहने को कहा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गुरुवार को अपने सभी लोकसभा सांसदों को तीन लाइन का व्हिप जारी किया है। पार्टी ने केंद्रीय बजट 2025–26 के लिए अनुदान की मांगों को पारित कराने के लिए सदन में उपस्थित रहने को कहा। पार्टी ने अपने पत्र में कहा, "लोकसभा में सभी भाजपा सदस्यों को सूचित किया जाता है कि शुक्रवार को सदन में 2025–26 के लिए अनुदान की विभिन्न मांगों को पारित करने के लिए विचार किया जाएगा। इसलिए, लोकसभा में भाजपा के सभी सदस्यों से अनुरोध है कि वे पूरे दिन सदन में उपस्थित रहें और सरकार के रुख का समर्थन करें।

क्या है गिलोटिन?

गिलोटिन एक संसदीय रणनीति है। इसका इस्तेमाल किसी विधेयक को बिना किसी चर्चा के पारित करने में तेजी लाने के लिए किया जाता है। जब सरकार किसी विधेयक को जल्दी से जल्दी पारित करना चाहती है तब इसका इस्तेमाल किया जाता है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 1 फरवरी को बजट पेश किया था। इसमें नौकरी पेशा वाले लोगों को बड़ी राहत दी गई। मासिक एक लाख वेतन वाले लोगों को आयकर में छूट दी गई है। सलाना 12.75 लाख तक की आय पर अब टैक्स नहीं देना होगा। इससे घरेलू बचत और खपत को बढ़ावा मिलेगा। बजट में सरकार ने विकास के चार इंजनों– कृषि, एमएसएमई, निवेश और निर्यात पर फोकस किया।

गुजरात हाईकोर्ट को मिले 8 नए जज

नई दिल्ली। प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाले सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम ने आठ न्यायिक अधिकारियों को गुजरात हाई कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। कॉलेजियम की बैठक 19 मार्च को हुई थी, जिसमें जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस सूर्यकांत भी शामिल थे। सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड किए गए एक बयान में कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने गुजरात हाई कोर्ट के न्यायाधीशों के रूप में लियाकाथुसैन शम्सुद्दीन पीरजादा, रामचंद्र ठाकुरदास वच्छानी, जयेश लखंशीभाई ओडेद्रा, प्रणव महेशभाई रावल, मूल चंद त्यागी, दीपक मनसुखलाल व्यास, उत्कर्ष ठाकोरभाई देसाई और रोहनकुमार कुंदनलाल चुडावल की नियुक्ति के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

केंद्रीय कर्मचारियों के लिए बड़ी खबरः पेंशन योजना का नया नोटिफिकेशन जारी

नई दिल्ली। पेंशन कोष नियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) ने गुरुवार को एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) को अमल में लाने वाली अधिसूचना जारी कर दी। योजना के तहत सेवानिवृत्ति से पहले के 12 महीनों में मिले औसत मूल वेतन की 50 प्रतिशत राशि को सुनिश्चित पेंशन के तौर पर देने का प्रविधान है। यह अधिसूचना राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के तहत आने वाले केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों के लिए सरकार द्वारा 24 जनवरी, 2025 को जारी यूपीएस अधिसूचना का अनुसरण करती है।

यूपीएस के नियम 1 अप्रैल से लागू

पीएफआरडीए ने बयान में कहा कि यूपीएस से संबंधित नियम एक अप्रैल, 2025 से लागू हो जाएंगे। ये नियम एक अप्रैल, 2025 तक सेवा में मौजूदा केंद्र सरकार के एनपीएस में आने वाले कर्मचारी और केंद्र सरकार की सेवाओं में अप्रैल, 2025 को या उसके बाद भर्ती होने वाले कर्मचारियों समेत केंद्र सरकार के कर्मचारियों के नामांकन को सक्षम करते हैं। केंद्र सरकार के कर्मचारियों की इन सभी श्रेणियों के लिए नामांकन और दावा फार्म एक अप्रैल, 2025 से प्रोटीन सीआरए की वेबसाइट पर ऑनलाइन उपलब्ध होंगे।

कर्मचारियों के पास फार्म को भौतिक रूप से जमा करने का विकल्प भी है।

अधिसूचना के मुताबिक, कर्मचारी को सेवा से हटाए जाने या बर्खास्त किए जाने या इस्तीफे के मामले में यूपीएस या सुनिश्चित भुगतान विकल्प उपलब्ध नहीं होगा। अधिसूचना में कहा गया है कि पूर्ण सुनिश्चित भुगतान की दर 25 वर्षों की न्यूनतम योग्यता सेवा के अधीन और सेवानिवृत्ति से तुरंत पहले 12 मासिक औसत मूल वेतन का 50 प्रतिशत होगी।

यूपीएस और एनपीएस चुनने का मिलेगा विकल्प

अधिसूचना से 23 लाख सरकारी कर्मचारियों को यूपीएस और एनपीएस के बीच चयन करने का विकल्प मिलेगा। एनपीएस एक जनवरी, 2004 को लागू हुआ था। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 24 अगस्त, 2024 को यूपीएस लाने को मंजूरी दी थी। जनवरी, 2004 से पहले प्रभावी पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) के तहत कर्मचारियों को उनके कार्यकाल के अंतिम मूल वेतन का 50 प्रतिशत पेंशन के रूप में मिलता था। ओपीएस के उलट यूपीएस अंशदायी प्रकृति की है। इसमें कर्मचारियों को अपने मूल वेतन और महंगाई भत्ते का 10 प्रतिशत योगदान करना होगा, जबकि नियोक्ता (केंद्र सरकार) का योगदान 18.5 प्रतिशत होगा। हालांकि, अंतिम भुगतान उस कोष पर मिलने वाले बाजार रिटर्न पर निर्भर करता है, जिसे ज्यादातर सरकारी बॉन्ड में निवेश किया जाता है।

पीएम मोदी से मिलने के लिए बेचैन हैं मोहम्मद यूनुस!

नई दिल्ली। बांग्लादेश की तरफ से एक बार फिर इच्छा जाहिर की गई है कि अगले महीने वहां के अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस के साथ पीएम नरेन्द्र मोदी की मुलाकात हो जाए लेकिन भारत की तरफ से इस बारे में कोई उत्साह नहीं दिखाया गया है। दोनों नेता 3–4 अप्रैल, 2025 को थाईलैंड में बिम्सटेक संगठन के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। जानकारों का कहना है कि भारत सरकार आधिकारिक तौर पर बांग्लादेश सरकार के मुखिया की पीएम मोदी के साथ मुलाकात को लेकर कोई संकेत नहीं दिया है। बैठक के दौरान दोनों नेताओं के बीच अनौपचारिक मुलाकात हो जाए लेकिन आधिकारिक मुलाकात की संभावना नहीं है। बांग्लादेश सरकार ने पूर्व में भी मोदी और यूनुस की मुलाकात की इच्छा जताई थी लेकिन भारत ने उसे तवज्जो नहीं दिया था।

बांग्लादेश विदेश मामलों के सलाहकार ने क्या कहा?

बांग्लादेश के अंतरिम सरकार में विदेश मामलों के सलाहकार (विदेश मंत्री के समकक्ष) मोहम्मद तौहीद होसैन ने एक मीडिया चैनल के समक्ष स्वीकार किया है कि उनकी सरकार की तरफ से भारत को यह संदेश भेजा गया है कि बिम्सटेक सम्मेलन के साथ दोनों नेताओं की मुलाकात हो। यह भी उल्लेखनीय तथ्य है कि बिम्सटेक सम्मेलन से पहले मोहम्मद यूनुस 26 मार्च, 2025 को बीजिंग की यात्रा पर जा रहे हैं। 28 मार्च को उनकी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ मुलाकात संभव है। भारत की इस मुलाकात पर भी नजर होगी। चीन की तरफ से बांग्लादेश में नए निवेश की घोषणा किये जाने की संभावना है। भारत सिर्फ इस बात से चिंतित नहीं है कि मोहम्मद यूनुस की सरकार का रवैया पूरी तरह से भारत विरोधी है बल्कि बांग्लादेश में जिस तरह से चीन और पाकिस्तान की सक्रियता बढ़ी है, वह ज्यादा चिंताजनक है।

भारत की क्या है रणनीति?

सूत्रों का कहना है कि, ह्लभारत ने बांग्लादेश के साथ संवाद की निरंतरता को बना कर रखा हुआ है। दिसंबर, 2024 में विदेश सचिव की ढाका यात्रा और फरवरी, 2025 में ओमान में विदेश मंत्री एस जयशंकर की बांग्लादेशी विदेश मंत्री मौहम्मद होसैन से मुलाकात इसका उदाहरण है।

मंत्रिमंडल में बदलाव के संकेत, नवरात्र में नए स्वरूप में दिखेगी कैबिनेट, तीन मंत्रियों की होगी विदाई

देहरादून :देश की धामी सरकार एक ओर अपने तीन साल पूरे होने के जश्न की तैयारी कर रही है, वहीं दूसरी ओर नवरात्र पर कैबिनेट नए रूप में दिखाई देगी। कैबिनेट में पांच खाली पद भरे जाने के साथ ही तीन कैबिनेट मंत्रियों की विदाई के संकेत मिल रहे हैं। नए मंत्रिमंडल का जो ड्राफ्ट तैयार हो रहा है, उसमें जातीय और क्षेत्रीय समीकरणों का खास ध्यान रखा गया है।

इस ड्राफ्ट पर केंद्रीय नेतृत्व की मुहर लगनी है। हालांकि मुख्यमंत्री दिल्ली दौरे को कैबिनेट में बदलाव की संभावना के तौर पर देखा गया। लेकिन सूत्रों के मुताबिक, धामी का यह दौरा एक विवाह समारोह में शामिल होने को लेकर था। कैबिनेट में फेरबदल को लेकर केंद्रीय नेतृत्व से चर्चा करने के लिए धामी बाद में दिल्ली जाएंगे।

पंजाबी समाज के विधायक को मिल सकती है जगह

बहरहाल सूत्रों का कहना है कि नई कैबिनेट का जो ड्राफ्ट तैयार किया गया है, उसमें तीन वरिष्ठ मंत्रियों की विदाई की संभावना जताई जा रही है। तीनों मंत्रियों की विदाई का आधार उनकी परफारमेंस बनेगी। कैबिनेट में पंजाबी समाज के विधायक को जगह मिल सकती है। क्षेत्रीय व जातीय संतुलन के हिसाब से वरिष्ठता व अनुभव के आधार पर मंत्री बनाया जा सकता है। कैबिनेट में बदलाव को लेकर केंद्रीय नेताओं से पहले बातचीत होगी। चर्चा का यह सिलसिला राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बंगलूरू में 21 से 23 तक होने वाली प्रतिनिधि सभा के बाद शुरू हो सकता है।

पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री संगठन बीएल संतोष प्रतिनिधि सभा में शामिल होंगे। 23 मार्च को सरकार के तीन साल पूरे हो जाएंगे। इसके बाद सीएम धामी केंद्रीय नेतृत्व से बातचीत करने के लिए दिल्ली जा सकते हैं।

सम्पादकीय

धैर्य की प्रतिमूर्ति सुनीता विलियम्स

नौ महीने अंधेरे अंतरिक्ष में रहने के बाद भारतीय मूल की सुनीता विलियम्स धरती पर सुरक्षित लौट आई है। अंतरिक्ष पर उनका यह सफर एक इतिहास तो है ही लेकिन उससे भी कहीं अधिक धैर्य और विश्वास का अटूट उदाहरण है जो वास्तविक तौर पर यह दर्शाता है कि हिम्मत बनाए रखने वाले अपने लक्ष्य को प्राप्त करते हैं। एक ऐसी दुनिया में जहां आपके साथ कोई बात करने वाला ना हो वहां 9 महीने विपरीत परिस्थितियों में गुजरा बेहद और बेहद विकेट कार्य है। सुनीता विलियम्स ने एक कीर्तिमान स्थापित किया है जो ऐसे लोगों के लिए उदाहरण है जो छोटी–छोटी समस्याओं के आगे हार मान जाते हैं। कल्पना कीजिए एक असीम सूनापन, जहाँ चारों ओर बस अंधकार और अनिश्चितता है। हर दिन सूरज उगता और ढलता है, लेकिन वहाँ, अंतरिक्ष में, समय जैसे थम गया हो। 9 महीने तक अकेले रहना वह भी ऐसी जगह पर जहां न कोई अपना, न कोई आवाज़, बस धैर्य की परीक्षा। आपके पास रह जाता था केवल धैर्य और अंतर्मन का विश्वास। एक भ्रूण भी अस्तित्व में आने के लिए 9 महीने मां के गर्भ में रहता है, इसके बाद वह एक नई दुनिया में प्रवेश करता है। सुनीता विलियम्स के लिए भी धरती पर वापस लौटना एक नई दुनिया में आने के ही समान था क्योंकि 9 महीने पूर्व उम्मीदें लगभग धूमिल हो चुकी थी लेकिन साइंस और टेक्नोलॉजी ने आज इतना विकास कर लिया है की अंतरिक्ष में फंसे यात्री को भी धरती पर सुरक्षित लाया जा सकता है। देखा जाए तो एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स के लिए ये 9 महीने सिर्फ समय नहीं थे, बल्कि हर पल अपने इरादों को और मजबूत करने का समय था। जब तकनीकी खराबी ने उनकी धरती पर वापसी की राह कठिन बना दी, तब भी उन्होंने हार नहीं मानी। हर दिन, अपने अंदर के डर को हराकर, खुद को संभाला, रिसर्च जारी रखी और मन में उसे अटूट विश्वास को जगाए रखा जो उन्हें धरती पर वापस भेजने के लिए मार्गदर्शन बना। पृथ्वी पर लोग उनके धैर्य और अटल विश्वास की कहानियाँ सुन रहे थे, उनके साहस की मिसालें दी जा रही थीं। बच्चे, महिलाएँ, युवा–हर कोई उनसे प्रेरणा ले रहा था कि मुश्किलें आएंगी, लेकिन आत्मविश्वास के आगे कोई भी बाधा टिक नहीं सकती। जाकिर खान के धैर्य और विश्वास की जीत हुई और 9 महीने की लंबी जंग के बाद हाईटेक स्पेस टेक्नोलॉजी के सारे ही धरती पर वापस लौट गई। कल्पना कीजिए कि 10 दिन के लिए किसी को एक कमरे में बंद कर दिया जाए और दुनिया समाज से उसका संपर्क ना हो तो वह व्यक्ति किस मानसिक अवस्था से गुजरेगा? सुनीता विलियम्स ने 9 महीने इन्हीं परिस्थितियों के बीच बिताए, जो आने वाले दिनों में भविष्य के नोनीहालों को प्रेरणा के तौर पर सुनाया जाएगा। सुनीता विलियम्स के इस साहस ने दुनिया को सिखाया कि धैर्य, साहस और आत्मविश्वास के आगे कोई भी कठिनाई टिक नहीं सकती। सब बातों का सर यह है कि यदि जब मन में दृढ़ निश्चय हो, तो कोई भी चुनौती असंभव नहीं।

भारत में वस्त्र क्षेत्र की क्रांति: एक उदीयमान उपभोक्ता पावरहाउस की गाथा

एक दशक पूर्व भारत की जनसंख्या लगभग 125 करोड़ थी। उपभोक्ताओं का खर्च मुख्य रूप से इच्छा के बजाय आवश्यकता से प्रेरित होता था। खरीदारी का पूर्वानुमान लगाना बहुत ही आसान था। त्योहारों के लिए नए कपड़े, सावधानीपूर्वक योजना आधारित खर्च और फिजूलखर्ची की बजाय बचत पर ध्यान केंद्रित किया जाता था। लक्जरी ब्रांडों की दूर से प्रशंसा की जाती थी। उच्च श्रेणी का फैशन अभिजात वर्ग तक ही सीमित था। आज देश की जनसंख्या लगभग 142 करोड़ हो गई है। मध्यम वर्ग तेजी से बढ़ रहा है और यही परिवार पूरे आत्मविश्वास के साथ प्रीमियम स्टोर में कदम रखता है। वही परिवार आसानी से ऑनलाइन खरीदारी करता है। इतना ही नहीं, अपने जीवन में अनेक अवसरों को उत्सव के तौर पर देखता है। भारत अब न केवल आगे बढ़ रहा है, बल्कि वह समृद्ध भी हो रहा है। बढ़ती क्रय शक्ति, विकसित हो रही उपभोक्ता मानसिकता और अंतिम–मील डिजिटल कनेक्टिविटी ये तीनों इस बदलाव के मुख्य वाहक हैं। आर्थिक सुधार अभूतपूर्व रहा है। इसे बढ़ती आय, सरकार समर्थित विनिर्माण पहल और डिजिटल रूप से सशक्त भारत के माध्यम से पंख लगे हैं। 2020 में &प्त39;आत्मनिर्भर भारत&प्त39; योजना शुरू की गई। इस विजन ने आत्मनिर्भरता की नींव रखी। इसे प्रोडक्शन–लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना और पीएम मित्र टेक्सटाइल पार्कों द्वारा और सशक्त किया गया। जैसे–जैसे विनिर्माण में उछाल आया, रोजगार सृजन हुआ और इसके साथ ही डिस्पोजेबल आय में वृद्धि हुई। इसके परिणामस्वरूप भारतीयों के खर्च करने के तरीके बदल गए। उपभोग अब भारत के विकास की गाथा के केंद्र में है, जो कपड़ा क्षेत्र को स्वर्ण युग में ले जाने के लिए तैयार है। एक सशक्त भारत झ्र आत्मविश्वास से परिपूर्ण, साहसी और आकांक्षी पिछले कई वर्षों में, आकांक्षाएं सचमुच वास्तविकता से आगे निकल गईं। लोगों ने कड़ी मेहनत की, बड़े सपने देखे, फिर भी अवसर पहुंच से बाहर लगे। फिर नीति–संचालित परिवर्तन के एक दशक ने महत्वाकांक्षा को उपलब्धि में बदल दिया। इन्फ्रास्ट्रक्चर का विस्तार हुआ, डिजिटल इंडिया ने आकार लिया और आर्थिक सुधार मूर्त विकास का इंजन बन गए। इसके प्रभाव से भारत एक गुणवत्ता, शैली और सुविधा को अपनाने के लिए तैयार आत्मविश्वासी उपभोक्ताओं वाले देश के रूप में विकसित हो गया। आय में उछाल आया है। प्रति व्यक्ति आय 2014–15 में 72,805 रुपए से बढ़कर 2023–24 में 1.88 लाख रुपए हो गई है और 2030 तक 3.5 लाख रुपए तक पहुंचने का अनुमान है। आज छह करोड़ भारतीय सालाना 8.3 लाख रुपए से अधिक कमाते हैं – 2015 की संख्या से दोगुने से भी अधिक है। यह बढ़ती समृद्धि फैशन, कपड़ा और जीवन शैली वाले उत्पादों की अभूतपूर्व मांग को बढ़ावा दे रही है। 2027 तक, भारत चौथा सबसे बड़ा उपभोक्ता टिकाऊबाजार होगा, जो न केवल सामर्थ्य बल्कि आकांक्षाओं से प्रेरित होगा। कोविड के बाद उपभोक्ताओं के व्यवहार में बदलाव एक गेम–चेंजर रहा है। डिजिटल पहुंच बढ़ी, ऑनलाइन रिटेल फला–फूला और यूपीआई लेनदेन आसमान छू गया। वित्त वर्ष 2013– 14 में 220 करोड़ से इस डिजिटल परिवर्तन ने शहरी–ग्रामीण विभाजन को पाट दिया है। इससे यह सुनिश्चित हुआ है कि चाहे मेट्रो शहर में रहें या छोटे शहर में, भारतीयों के पास अब वैश्विक और स्थानीय फैशन तक निर्बाध पहुंच है। भारत की फैशन क्रांति – परंपरा का महत्वाकांक्षा से मिलन कभी पश्चिमी अवधारणा, फास्ट फैशन अब युवा भारतीयों के लिए, जीवन का एक तरीका है। जो कभी अनन्य था, वह अब पहुंच के भीतर है। इसका श्रेय ज्यूडियो, रिलायंस ट्रेंड्स और शीन जैसे ब्रांडों को जाता है। ये ब्रांड 10 बिलियन डॉलर के उद्योग को बढ़ावा दे रहे हैं। यह कारोबार 2030 तक 50 बिलियन डॉलर तक पहुंचने के लिए तैयार है। लेकिन यह बदलाव केवल सामर्थ्य के बारे में नहीं है – लक्जरी और विरासत वाले वस्त्र फास्ट फैशन के साथ– साथ फल–फूल रहे हैं। जैसे–जैसे आकांक्षी परिवार 2027 तक 100 मिलियन का आंकड़ा पार कर रहे हैं, हस्तनिर्मित कपड़े, रेशम की साड़ियां और उच्च श्रेणी के डिजाइनर परिधान फिर से उभर रहे हैं। यह क्रांति कोई संयोग भर नहीं है। यह सरकार द्वारा संचालित पहलों का प्रत्यक्ष परिणाम है। बिचौलियों को खत्म करके कारीगरों के प्लेटफार्मों को डिजिटल बनाकर और सीधे ग्राहक– से–कारीगर कनेक्शन को सक्षम करके, डिजिटल इंडिया ने फैशन को खरीदने और बेचने के तरीके को बदल दिया है। महाराष्ट्र की पैठणी, कश्मीर की पश्मीना – अब एक बटन के क्लिक पर उपलब्ध है। फैशन का यह लोकतंत्रीकरण कारीगरों को सशक्त बना रहा है। इससे विरासत शिल्प को पुनर्जीवन मिल रहा है, और भारत की वस्त्र विरासत को वैश्विक मंच पर सबसे आगे आ रहा है।विलासिता और विरासत – पहले की तुलना में अधिक सुलभ भारतीय शादियां हमेशा भव्य रही हैं। किंतु, आज वे अरबों–खरबों डॉलर की आर्थिक शक्ति हैं। 45 बिलियन डॉलर का विवाह उद्योग पारंपरिक बुनाई क्लस्टरों में नई जान फूंक रहा है। इसमें परिवार बड़े पैमाने पर उत्पादन के बजाय कलात्मकता को चुन रहे हैं। विलासिता अब लेबल के बारे में नहीं है, यह विरासत के बारे में है। दुल्हन और दूल्हे विशिष्टता का विकल्प चुन रहे हैं। वे हाथ से बुने हुए बनारसी रेशम, जटिल कांजीवरम और भारत की समृद्ध वस्त्र विरासत का जश्न मनाने वाले डिजाइन का चयन कर रहे हैं। लेकिन परिवर्तन केवल परिधान तक ही सीमित नहीं है।

जैसे–जैसे भारत की अर्थव्यवस्था बढ़ रही है, वैसे–वैसे इसकी सुंदरता की चाहत भी बढ़ रही है। वित्त वर्ष 2019–23 के बीच रियल एस्टेट की कीमतों में 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, और बड़े, अधिक परिष्कृत घरों के साथ हस्तनिर्मित साज–सज्जा, डिजाइनर असबाब और विरासत सजावट की मांग बढ़ गई है। आधुनिक घर अब भारतीय शिल्प कौशल का प्रदर्शन बन गए हैं। इसके परिणाम स्वरूप हाथ से बने वस्त्रों की मांग फैशन से परे इंटीरियर और लक्जरी लिविंग में बढ़ रही है। भारत के वैश्विक फैशन नेतृत्व की शुरुआत भारत का कपड़ा उद्योग अब केवल उत्पादन के बारे में नहीं है। यह नवाचार, डिजाइन और वैश्विक प्रभाव के बारे में है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, मेक इन इंडिया डिजाइन इन इंडिया&प्त39; में विकसित हुआ है, जहां भारतीय रचनात्मकता अंतरराष्ट्रीय फैशन को आकार देती है। अनुसंधान और विकास पर सरकार का ध्यान और एक संपन्न टार्टअप इको–सिस्टम को बढ़ावा देने से बेजोड़ आर्थिक विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ है। तीन टी टैक्सटाइल (वस्त्र), टूरिज्म (पर्यटन) और टैक्नोलॉजी (प्रौद्योगिकी) – पर काम करते हुए अपना देश अब एक विकसित भारत की नींव रख रहा है। हाल ही में बजट में वस्त्र उद्योग को प्राथमिकता दिए जाने के साथ, 136 बिलियन डॉलर का घरेलू उद्योग 2030 से पहले ही 250 बिलियन डॉलर को पार कर जाएगा। इससे वैश्विक अग्रणी के रूप में भारत के स्थान की पुष्टि होती है। निजी खपत 2013 में 87 लाख करोड़ रुपए से बढक़र 2024 में 183 लाख करोड़ रुपए हो गई है। 2030 तक सकल घरेलू उत्पाद 635 लाख करोड़ रुपये को छूने का अनुमान है। निजी खपत सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा होगी। यह बदलाव भारत को वैश्विक खपत शक्ति बना देगा, जो अमेरिका, चीन और जर्मनी जैसे विकसित देशों से भी आगे निकल जाएगा। लेकिन भारत का उदय केवल इस बारे में नहीं है कि कितना उपभोग किया जा रहा है। यह इस बारे में है कि इसे क्या महत्व दिया जा रहा है। भारतीय कपड़ा उद्योग को कभी उत्पादन केंद्र के रूप में देखा जाता था। अब इसे वैश्विक फैशन ट्रेंड तय कर रहा है। दुनिया भारत को न केवल इसके शिल्प कौशल के लिए, बल्कि इसकी दूरदर्शिता, लालित्य और विरासत के आधुनिकता के साथ मिलन की क्षमता के लिए भी देखती है। यह नया भारत है – निडर, स्व–निर्मित और अजेय लेकिन यह तो बस शुरुआत है। नया भारत अवसरों का इंतजार नहीं करता, बल्कि उन्हें बनाता है। फैशन अब एक जुनून भर नहीं रह गया है। यह एक करियर बन गया है। युवा भारतीय सिर्फ ट्रेंड का अनुसरण नहीं कर रहे हैं। वे उन्हें स्थापित भी कर रहे हैं। वे ब्रांड लॉन्च कर रहे हैं, व्यवसाय बना रहे हैं और अर्थव्यवस्था को आकार दे रहे हैं। भारत के युवाओं से कहना है, वे नौकरी चाहने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले बनें। आपकी शैली, आपकी महत्वाकांक्षा, आपके विचार – यही भारत की अर्थव्यवस्था का भविष्य है। और यह केवल पहनावे तक ही सीमित नहीं है। जैसे–जैसे भारत की अर्थव्यवस्था आगे बढ़ रही है, वैसे–वैसे इसकी सुंदरता की चाहत भी बढ़ रही है। बढ़ती आय, डिजिटल पहुंच में वृद्धि और बढ़ती जनसंख्या के साथ, भारत सिर्फ वैश्विक फैशन उद्योग में भाग नहीं ले रहा है – बल्कि इसका नेतृत्व भी कर रहा है। पिरामिड के निचले हिस्से से लेकर ऊपर तक,आकांक्षाएं बढ़ रही हैं, विकल्प बढ़ रहे हैं और एक नए भारत को सीमाओं से नहीं, बल्कि संभावनाओं से निर्धारित किया जा रहा है।

परिवर्तन के एक दशक ने महत्वाकांक्षा को उपलब्धि में बदल दिया। इन्फ्रास्ट्रक्चर का विस्तार हुआ, डिजिटल इंडिया ने आकार लिया और आर्थिक सुधार मूर्त विकास का इंजन बन गए। इसके प्रभाव से भारत एक गुणवत्ता, शैली और सुविधा को अपनाने के लिए तैयार आत्मविश्वासी उपभोक्ताओं वाले देश के रूप में विकसित हो गया। आय में उछाल आया है। प्रति व्यक्ति आय 2014–15 में 72,805 रुपए से बढ़कर 2023–24 में 1.88 लाख रुपए हो गई है और 2030 तक 3.5 लाख रुपए तक पहुंचने का अनुमान है। आज छह करोड़ भारतीय सालाना 8.3 लाख रुपए से अधिक कमाते हैं – 2015 की संख्या से दोगुने से भी अधिक है। यह बढ़ती समृद्धि फैशन, कपड़ा और जीवन शैली वाले उत्पादों की अभूतपूर्व मांग को बढ़ावा दे रही है। 2027 तक, भारत चौथा सबसे बड़ा उपभोक्ता टिकाऊबाजार होगा, जो न केवल सामर्थ्य बल्कि आकांक्षाओं से प्रेरित होगा। कोविड के बाद उपभोक्ताओं के व्यवहार में बदलाव एक गेम–चेंजर रहा है। डिजिटल पहुंच बढ़ी, ऑनलाइन रिटेल फला–फूला और यूपीआई लेनदेन आसमान छू गया।

मोदी–मंत्रों के साथ विकास की ऊँची उड़ान का संकल्प

–रमेश शर्मा

डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में काम कर रही मध्यप्रदेश सरकार का यह बजट बहुआयामी है। इसमें विकसित मध्यप्रदेश की रूपरेखा के साथ प्रधानमंत्री श्रीनरेंद्र मोदी के तीनों मंत्र की झलक है। मोदीजी के ये तीन मंत्र च्च्विकास के साथ विरासतज्ज् च्च्द4ड्डठ्ठ का सम्मानज्ज् और च्च्लोकल फॉर वोकलज्ज् हैं । इस बजट आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के साथ विकसित भारत का संकल्प पूरा करने के प्रावधान भी हैं। बिना कोई नया कर लगाये 15त्न की वृद्धि इस बजट की सबसे बड़ी विशेषता है। वर्ष 2025–26 केलिये मध्यप्रदेश सरकार का बजट आ गया है। विशेषताओं, व्यापकताओं और नवाचारों से युक्त है। यह बजट बुधवार 12 मार्च को वित्तमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने विधानसभा में प्रस्तुत किया। बजट में एक ओर मध्यप्रदेश की साँस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत को सहेजा गया है तो दूसरी ओर आधुनिक दुनियाँ की दौड़ में अग्रणी रहने केलिये औद्योगिकरण को गति देने का प्रयास किया गया है। ताकि मध्यप्रदेश भारत के विकसित प्रातों में अग्रणी बन सके। बजट परिवार का हो, या किसी स्वायत्तशासी संस्थान का। अथवा किसी प्रगतिशील राष्ट्र का। उसमें अतीत के अनुभव, आधारभूत आयामों का सशक्तिकरण, आयवृद्धि के उपाय और व्यय का नियमन होना चाहिए। इसके साथ एक गतिमान वातावरण भी होना चाहिए। मध्यप्रदेश सरकार का यह बजट इन आधारभूत आवश्यकताओं के अनुरूप है। यह अनेक विशेषताओं, व्यापकताओं और नवाचारों से युक्त है। बजट में किसी भी पुरानी योजना को बंद नहीं किया गया है । और न कोई नया टैक्स लगाया गया है। किसी पुराने टैक्स में वृद्धि भी नहीं की गई।

विरासत के साथ विकास

किसी भी परिवार, समाज और देश की अपनी विरासत होती है। उसमें विशेषताओं और वर्जनाओं दोनों की झलक होती है। विरासत और इतिहास वर्तमान पीढ़ी को अपनी विकास यात्रा में गतिमान बनाता है। विरासत में अनेक कथानक भी जुड़े होते हैं। इन कथानकों में उन्नति का संदेश और अवनति के प्रति सावधानी भी होती है। मध्यप्रदेश में ऐसे अनेक ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, धार्मिक और पुरातात्विक स्थल हैं जो गौरवशाली अतीत के प्रसंगों से जुड़े हैं। मध्यप्रदेश सरकार के इस बजट में उन सभी स्थानों के विकास को महत्व दिया गया है। जिससे पर्यटन बढ़ेगा और मध्यप्रदेश की विशिष्ठ पहचान संसार के सामने आ सकेगी। इससे एक तीसरा लाभ भी है जो प्रदेश की वर्तमान पीढ़ी में एक विशिष्ट आत्म विश्वास का संचार करेगा। वही पौधा विशाल वृक्ष बनकर आसमान की ऊँचाइयों को छूता है जिसकी जड़ें गहरी होतीं हैं। यदि जड़ें कमजोर हैं तो वृक्ष पहली बरसाती बाढ़ में ही बह जायेगा। इसलिये जड़ों का गहरा और मजबूत होना जरूरी है। यही सिद्धांत समाज और राष्ट्र के दीर्घजीवन पर भी लागू होता है। इसीलिए प्रधानमंत्री श्रीनरेंद्र मोदी ने विकसित भारत यात्रा को विरासत से जोड़ा है। जिसे मध्यप्रदेश सरकार ने भी अपनी प्राथमिकताओं में शामिल किया है। मध्यप्रदेश देश का हृदय प्रात है। यह संसार के प्राचीनतम भूभागों में से एक है। अरावली, सतपुड़ा और विन्ध्याचल पर्वत श्रृंखलाओं से समृद्ध यह भूभाग तब भी था जब हिमालय नहीं था और यूरोप ने आकार भी नहीं लिया था। यहाँ करोड़ो वर्ष पुराने जीवाश्म और लाखों वर्ष पुराने शैलचित्र मिलते हैं। डायनासोर के जीवाश्म भी मध्यप्रदेश में मिले हैं। डॉ मोहन सरकार के इस बजट में इन सभी विशिष्ट स्थलों को सहेजने का प्रावधान किया है। वित्त मंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने संस्कृति पर्यटन और धर्मस्व विभाग में 1610 करोड़ का प्रावधान किया है। इसके अंतर्गत दो जीवाश्म पार्क विकसित करने किये जायेगें इनमें करोडों वर्ष पुराने डायनासोर के जीवाश्म सहित वे सभी च्च्फॉसिल्सज्ज् सहेजे जायेगें जो आज भी पूरे विश्व केलिये कौतुहल हैं। फॉसिल्स पार्क विकसित हो जाने से संसार भर के शोधकर्ता मध्यप्रदेश आयेंगे। इससे प्रदेश की साख पूरे संसार में बढ़ेगी और स्थानीय नागरिकों को रोजगार के परोक्ष अवसर भी मिलेंगे। इसके साथ औकारेश्वर, महाकाल उज्जैन, मैहर जैसे धार्मिक स्थलों को पर्यटन के रूप में विकसित करने के प्रावधान किये गये हैं। बजट में वर्ष 2028 में होने वाले सिंहस्थ के लिये दो हजार करोड़ का प्रावधान किया गया है। इस वर्ष प्रयागराज महाकुंभ में श्रृद्धालुओं की संख्या को देखकर मध्यप्रदेश सरकार अभी से सावधान हुई है। बजट में महाकाल लोक की भाँति ओंकारेश्वर महालोक विकसित करने का प्रावधान है। औकारेश्वर आदि शंकराचार्य जी की तपोस्थली भी रही है। यहाँ आचार्य शंकर अद्वैत वेदान्त संस्थान स्थापना के साथ अंतर्राष्ट्रीय अद्वैत वेदान्त संस्थान की स्थापना की जा रही है। इसके लिये पाँच सौ करोड़ की राशि का प्रावधान किया गया है। त्रेतायुग में भगवान श्रीराम अपनी वनयात्रा में मध्यप्रदेश भी आये थे। चित्रकूट से लेकर अमरकंटक तक उनकी यात्रा के चिन्ह हैं। बजट में रामपथ गमन के विकास केलिये तीस करोड़ का प्रावधान किया गया है। वही? महाभारत काल में भगवान श्रीकृष्ण की यात्रा चिन्हों को समेटने केलिये श्रीकृष्ण पाथेय योजना पर दस करोढ़ रुपये का प्रावधान है। इनके अतिरिक्त धार्मिक और सांस्कृतिक अन्य 14 स्मारकों को सहेजने केलिये बजट में 507 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

पर्दे पर सुपर आइकॉनिक श्रीदेवी का किरदार निभाना चाहती हैं तमन्ना भाटिया

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया स्क्रीन पर दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी की भूमिका निभाना चाहती हैं। न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि उनकी यह तमन्ना है कि वह सुपर आइकॉनिक अभिनेत्री की भूमिका को पर्दे पर उतारें।

ब्लेंडर्स प्राइड फैशन टूर में लेबल ब्लोनी के लिए शोस्टॉपर बनीं तमन्ना से जब पूछा गया कि वह स्क्रीन पर किस अभिनेत्री के किरदार को निभाना चाहेंगी, तो उन्होंने आइकॉनिक एक्ट्रेस श्रीदेवी का नाम लिया। तमन्ना ने कहा, मैं श्रीदेवी का किरदार निभाना चाहूंगी। वह सुपर आइकॉनिक थीं और वह ऐसी शख्सियत हैं जिनकी मैं प्रशंसक रही हूं। भारतीय सिनेमा की पहली महिला सुपरस्टार के रूप में लोकप्रिय श्रीदेवी ने कॉमेडी से लेकर फैमिली ड्रामा तक, विभिन्न विधाओं के साथ सिनेमा के हर हिस्से को छुआ। वह भले ही आज हमारे बीच नहीं हैं, मगर वह शानदार फिल्मों के जरिए हमेशा जिंदा रहेंगी। श्रीदेवी हिंदी के साथ तेलुगू, तमिल, मलयालम और कन्नड़ भाषा की फिल्मों में काम कर चुकी हैं।

आईपीएल 2025 : राजस्थान रॉयल्स को बड़ा झटका, तीन मैचों के लिए संजू सैमसन बाहर

नई दिल्ली , राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के कप्तान संजू सैमसन इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के पहले तीन मैचों को नहीं खेल पाएंगे। राजस्थान अपने आईपीएल 2025 अभियान की शुरुआत 23 मार्च को हैदराबाद के राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में पिछले संस्करण के फाइनलिस्ट सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ करेगी। संजू की गैरमौजूदगी में कमान रयान पराग संभालेंगे।

राजस्थान रॉयल्स के कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज संजू को इंग्लैंड के खिलाफ टी20 मैच के दौरान उंगली में चोट लग गई थी। चैम्पियंस ट्रॉफी से पहले उन्होंने इसकी सर्जरी करवाई थी। एजेंसी के अनुसार, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अभी तक उन्हें विकेटकीपिंग के लिए क्लीन चिट नहीं दी है।

आईपीएल के पहले मैच पर छाए संकट के बादल

आईपीएल 2025 की शुरुआत में अब ज्यादा वक्त नहीं बचा है। 22 मार्च से टूर्नामेंट का आगाज होगा। पहला मुकाबला गत विजेता कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच खेला जाएगा। कोलकाता के ईडेन गार्डंस में खेले जाने वाले इस मैच में बारिश विलेन सकती है। ऐसे में दर्शकों का मजा किरकिरा हो सकता है।

पहले मैच में बारिश बनेगी बाधा

आईपीएल के 18वें सत्र का पहला मुकाबला बारिश में धुल सकता है। एक्यूवेदर की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को 90 प्रतिशत तक बारिश की संभावना है। शाम के वक्त 77 प्रतिशत आर्द्रता रहेगी जबकि हवाएं 22 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चलेंगी। ऐसे में प्रशंसकों के अरमानों पर पानी फिर सकता है।

मैच से पहले होगा उद्घाटन समारोह

ओपनिंग मैच से पहले भव्य उद्घाटन

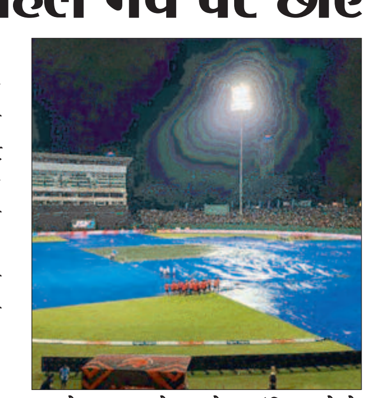

समारोह का आयोजन होगा। इंडिया टुडे ने बंगाल क्रिकेट संघ (कैब) के हवाले से बताया कि मशहूर बॉलीवुड सिंगर श्रेया घोषाल और करण औजला अपनी आवाज से समां बांध सकते हैं। इसके अलावा फिल्म अभिनेत्री दिशा पटानी भी अफनी खूबसूरती का जलवा बिखेरती दिख सकती हैं।

कैब अध्यक्ष ने दी जानकारी

बंगाल क्रिकेट संघ के अध्यक्ष स्नेहाशीष गांगुली ने कहा– 'बीसीसीआई ने हमें उद्घाटन समारोह के लिए 35 मिनट का समय दिया है, जिसमें हमें पूरा शो समाप्त करना है। बाकी काम हर साल की तरह ही होगा।' उन्होंने आगे बताया कि मैच के सभी टिकट बिक चुके हैं और ओपनर के लिए प्रशंसकों की ओर से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। गांगुली ने कहा, हमें उम्मीद थी कि पूरा घर भरा रहेगा। हमारे मैचों में दर्शकों का भर जाना आम बात है और कोलकाता के प्रशंसक हमेशा उम्मीदों पर खरे उतरे हैं।

65 दिनों में खेले जाएंगे कुल 74 मैच

इस साल 10 टीमों के बीच 13 स्थानों पर 65 दिनों में कुल 74 मैच खेले जाएंगे, जिसमें 70 लीग राउंड और चार प्लेऑफ के मुकाबले होंगे। फाइनल समेत प्लेऑफ के सभी मुकाबले 20 से 25 मई तक हैदराबाद और कोलकाता में खेले जाएंगे।

जान्हवी कपूर–वरुण धवन स्टारर सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी की रिलीज डेट आउट

अभिनेता वरुण धवन और जान्हवी कपूर स्टारर अपकमिंग फिल्म ह्यसनी संस्कारी की तुलसी कुमारीह्न की रिलीज डेट सामने आ चुकी है। फिल्म निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर बताया कि फिल्म सिनेमाघरों में कब रिलीज होगी। फिल्म ह्यसनी संस्कारी की तुलसी कुमारीह्न 12 सितंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में सान्या मल्होत्रा, रोहित सराफ, अक्षय ओबेरॉय, मनीष पॉल और मानिनी चड्ढा ने काम किया है। ह्यसनी संस्कारी की तुलसी कुमारी का निर्देशन शशांक खेतान ने किया है, जो हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया बद्रीनाथ की दुल्हनिया और धडक़ के लिए जाने जाते हैं। यह फिल्म पहले 18 अप्रैल, 2025 को रिलीज होने वाली थी। हालांकि, निर्माण में देरी के कारण अब यह सितंबर में रिलीज होगी।

अभिषेक की बी हैप्पी पर बोले अमिताभ बच्चन– इससे बड़े गर्व की बात कुछ नहीं

मेगास्टार अमिताभ बच्चन अपने बेटे अभिषेक बच्चन की बी हैप्पी में उनके काम के लिए मिल रही सराहना से अभिभूत हैं। उन्होंने कहा कि एक पिता के लिए इससे बड़े गर्व की बात कुछ नहीं हो सकती। अभिषेक की हालिया रिलीज फिल्म बी हैप्पी को मिल रही सराहना से गदगद अमिताभ ने अपने ब्लॉग पर लिखा, अभिषेक की फिल्म बी हैप्पी की सराहना से मैं अभिभूत हूं.. एक पिता के लिए इससे बड़े गर्व की बात कुछ नहीं हो सकती। उन्होंने अपने प्रशंसकों को फिल्म देखने और अभिषेक के काम को पसंद करने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने लिखा, मैं उन सभी प्रशंसकों और दोस्तों का आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने फिल्म देखी और अपना प्यार, आशीर्वाद दिया। अमिताभ बच्चन ने शनिवार को एक्स हैंडल पर पोस्ट शेयर कर अभिषेक के प्रदर्शन की सराहना की थी। बिग बी ने लिखा, अभिषेक, आज बी हैप्पी देखी, आप पर गर्व है। आपने बहुत ही शानदार अभिनय किया है।

मियामी ओपन : निक किर्गियोस ने 896 दिनों में दर्ज की अपनी पहली जीत

मियामी , निक किर्गियोस ने मियामी ओपन में अमेरिकी क्वालीफायर मैकेंजी मैकडोनाल्ड को हराकर 2022 के बाद अपना पहला एटीपी टूर मैच जीता। 29 वर्षीय किर्गियोस पिछले 18 महीनों से पैर और कलाई की चोटों से परेशान थे और इस साल की शुरुआत में उन्होंने दोबारा खेलना शुरू किया।

कलाई की लगातार तकलीफ के कारण किर्गियोस पिछले दो साल से टेनिस से दूर थे। कुछ हफ्ते पहले इंडियन वेल्स में उन्हें पहले ही दौर में मैच छोडऩा पड़ा था, लेकिन मियामी ओपन में उन्होंने मैकडोनाल्ड को 3–6, 6–3, 6–4 से हराकर शानदार वापसी की। अक्टूबर 2022 में जापान ओपन में दूसरे दौर के मुकाबले के बाद से ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी को जीत नहीं मिली थी और यह अब यह जीत 896 दिनों के बाद आई।

कलाई की चोट के चलते किर्गियोस का करियर खतरे में पड़ गया था, लेकिन अब इस जीत को वह अपनी वापसी का सबसे बड़ा पल मानते हैं। उन्होंने कहा, यह मेरे लिए लंबा सफर रहा है। कई बार तो मैच खेलना भी डराने वाला था कि मैं इसे पूरा कर पाउंगा या नहीं। लेकिन अब एक जीत हासिल करके यह महसूस करना कि मैं फिर से इस खेल का हिस्सा हूं, बहुत खास अहसास है।

अब उनका अगला मुकाबला 22वीं वरीयता प्राप्त करेन खाचानोव से होगा, जिनसे वह 2022 यूएस ओपन के क्वार्टरफाइनल में हार चुके हैं। इस बार किर्गियोस उस हार का बदला लेना चाहेंगे। किर्गियोस, जो अब तक अपने सातों खिताब हार्ड कोर्ट पर जीत चुके हैं, मियामी ओपन में पांच बार चौथे दौर तक पहुंचे हैं। यह टूर्नामेंट उनके लिए सबसे सफल मास्टर्स 1000 प्रतियोगिता रही है।

उन्होंने कहा, मियामी में खेलते हुए मुझे हमेशा अच्छा महसूस होता है। मैं अपने प्रदर्शन पर गर्व महसूस कर रहा हूं। इस स्तर पर आपको कड़ी प्रतिस्पर्धा करनी होती है।

एक नजर

1 अप्रैल से शुरू होगें ट्रायल

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : मुख्यमंत्री उदीयमान खिलाड़ी उन्नयन योजना व मुख्यमंत्री खिलाड़ी प्रोत्साहन योजना में शामिल होने वाले खिलाड़ियों के ट्रायल 1 अप्रैल से शुरू होंगे। उदीयमान खिलाड़ी उन्नयन योजना के तहत जिले में 8 से 14 साल तक के 150 बालक व 150 बालिकाओं और खिलाड़ी उन्नयन योजना के तहत 14 से 23 साल के 100 बालक व 100 बालिकाओं का चयन होगा। चयनित खिलाड़ियों को प्रतिमाह छात्रवृत्ति व खेल उपकरण भी दिए जाएंगे।

प्रभारी जिला क्रीड़ा अधिकारी संदीप डुकलान ने बताया कि योजना में शामिल होने वाले खिलाड़ियों को पोर्टल पर पंजीकरण करवाना अनिवार्य है। इन दिनों पंजीकरण की प्रक्रिया चल रही है, जोकि 31 मार्च तक जारी रहेगी। बताया कि उदीयमान खिलाड़ी उन्नयन योजना के तहत जिले में 8 से 14 साल तक के 150 बालक व 150 बालिकाओं और खिलाड़ी उन्नयन योजना के तहत 14 से 23 साल के 100 बालक व 100 बालिकाओं का चयन होगा। चयनित खिलाड़ियों को प्रतिमाह छात्रवृत्ति व खेल उपकरण भी दिए जाएंगे।

829 लाभार्थियों को मिला पीएम आवास योजना का लाभ

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत वित्तीय वर्ष 2023-24 में जिले को 842 के सापेक्ष 829 लोगों को आवास मिल गया है।

परियोजना निदेशक डीआरडीए विवेक कुमार उपाध्याय ने बताया कि वर्ष 23-24 में 842 का लक्ष्य प्राप्त हुआ था, जिसके सापेक्ष अभी तक 829 प्रधानमंत्री आवासों कार्य पूरा हो चुका है। बताया कि लाभार्थियों का आवास स्वीकृत होने पर प्रथम किस्त 60 हजार, लेन्टल लेवल का निरीक्षण फोटो ग्राफ आवास सॉफ्ट अपलोड होने के बाद द्वितीय किश्त 40 हजार व आवास पूर्ण होने पर 30 हजार की तृतीय किश्त जारी की जाती है। बताया कि इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री घोषणा की धनराशि प्रति लाभार्थी को रसोईघर के उपयोग के लिए 6 हजार की धनराशि लाभार्थी के बैंक खाते में हस्तांतरित की जाती हैं।

योजनाओं से कोई भी व्यक्ति वंचित न रहे : जंगपांगी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : अपर निदेशक पशुपालन विभाग गढ़वाल मंडल डा. भूपेंद्र सिंह जंगपांगी ने पदभार ग्रहण कर लिया है। इससे पूर्व वह अपर निदेशक मुख्यालय देहरादून में कार्यरत थे। उन्होंने कहा कि हमारी मुख्य प्राथमिकता ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर लोगों को पशुपालन विभाग में संचालित योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ देना होगी। पूर्व में अपर निदेशक के पद पर कार्यरत डा. रमेश सिंह नितवाल का तबादला अपर निदेशक पशुपालन विभाग कुमाऊ मंडल हल्द्वानी हो गया है। उनके तबादले के बाद डा. भूपेंद्र सिंह जंगपांगी ने अपर निदेशक गढ़वाल मंडल का पदभार ग्रहण कर लिया है। अपर निदेशक पशुपालन डा. भूपेंद्र सिंह जंगपांगी ने सभी अफसरों से पशुपालन विभाग द्वारा पशुपालकों के लिए चलाई जा रही योजनाओं से लाभांवित करने के निर्देश दिए। उन्होंने पशुपालन के सभी क्षेत्रीय अफसरों को योजनाओं से कोई भी व्यक्ति वंचित न रहे इसका विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।

पीएम आवास योजना के लिए 31 मार्च तक करें आवेदन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत नगर निगम कण्वनगरी कोटद्वार के पात्र परिवार 31 मार्च 2025 आवेदन कर सकते है। लाभार्थी निगम कार्यालय एवं किसी भी सीएससी केंद्र से ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। नगर आयुक्त वैभव गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि भारत सरकार द्वारा माह सितम्बर 2024 में नई आवास योजना प्रधानमंत्री आवास योजना सबके लिए (शहरी) 2.0 प्रारम्भ की गई है। योजना के तहत नगर निगम क्षेत्र के पात्र आवास विहिन शहरी परिवारों को योजना के विभिन्न घटकों के अंतर्गत अवास निर्माण की सहायता उपलब्ध करायी जाएगी। उन्होंने कहा कि निगम क्षेत्र के समस्त वार्डों में निवासरत आवास विहिन पात्र लोग 31 मार्च 2025 तक योजना से संबंधित दस्तावेज लाभार्थी तथा परिवार का आधार कार्ड, निवास प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, बैंक पासबुक की छायाप्रति, जाति प्रमाण पत्र, लाभार्थी की फोटो, निर्माण स्थल की फोटोग्राफ, आवासविहिन होने का शपथ पत्र, भूमि संबंधित दस्तावेज तैयार कर निगम कार्यालय एवं किसी भी सीएससी केंद्र से ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। आवेदनों के सत्यापन के उपरान्त डीपीआर निकाय स्तर पर तैयार की जाएगी।

रेलवे स्टेशन से काशीरामपुर को जोड़ने के लिए बनेगा ओवरहेड ब्रिज

कोटद्वार रेलवे स्टेशन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : रेलवे स्टेशन से काशीरामपुर तल्ला व लकड़ीपड़ाव को जोड़ने के लिए जल्द ही ओवरहेड ब्रिज का निर्माण करवाया जाएगा। साथ ही स्टेशन तक जाने वाली सीढ़ियों को तोड़कर उन्हें बेहतर तरीके से बनाया जाएगा। कार्य को धरातल पर उतारने के लिए मंडलीय रेल प्रबंधक राजकुमार सिंह ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। गुरुवार को मंडलीय रेल प्रबंधक राजकुमार सिंह कोटद्वार रेलवे स्टेशन में पहुंचे। मंडलीय रेल प्रबंधक ने रेलवे स्टेशन का निरीक्षण करने के साथ ही अमृत स्टेशन के तहत हो रहे निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। कहा कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता का विशेष ध्यान दिया जाएं। साथ ही जल्द से जल्द बुकिंग आफिस को नवनिर्मित भवन में शिफ्ट किया जाएं। कहा कि भारी भरकम पेड़ जो खतरे की जद में हैं और जिनसे कभी भी हादसा हो सकता है उन्हें कटवाने के लिए जल्द से जल्द वन विभाग से स्वीकृति लें। मंडलीय रेल प्रबंधक ने कहा कि स्टेशन के लिए जाने वाली सीढ़ी काफी बड़ी और ढलान है। जिससे बुजुर्ग व बच्चों के गिरने का खतरा बना रहता है। ऐसे में पुरानी सीढ़ियों को तोड़कर बेहतर तरीके से नई सीढ़ियों का निर्माण करवाया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को रेलवे स्टेशन में स्वच्छता पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। कहा कि स्टेशन में जगह-जगह कूड़ेदान लगवाए जाएं। साथ ही समय-समय पर अभियान चलाकर यात्रियों को स्वच्छता के प्रति भी जागरूक किया जाएं। रेलवे पटरी पर किसी अन्य तरह की गतिविधि न हो इसका भी ध्यान रखें। इस मौके पर सीनियर डीईएन सुशील कुमार, सीनियर डीडीई टीआरडी धनंजय सिंह, रवि विक्रम सिंह, अक्षय कुमार, सीनियर डीईजी सचिन कुमार, स्टेशन इंचार्ज आशीष सिंह बिष्ट आदि मौजूद रहे।

शिविर लगाने के लिए सहयोग की मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शहर में स्वास्थ्य शिविर लगवाने के लिए भारत स्वाभिमान न्यास ने नगर निगम से सहयोग की अपील की है। इस संबंध में सदस्यों ने महापौर शैलेंद्र सिंह रावत को ज्ञापन दिया।

गुरुवार को महापौर से मुलाकात करते हुए जिला प्रभारी दिनेश जुयाल ने कहा कि भारत स्वाभिमान न्यास के माध्यम से शहर के विभिन्न क्षेत्रों में विगत 2005 से योग शिविरों का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें नियमित योग कक्षाएं भी संचालित हो रही है, जिसमें लोगों को संतुलित जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जाता है। कहा कि लोगों के अनियमित दिनचर्या व गलत खानपान के चलते मोटापा जानलेवा बनता जा रहा है, जिसके लिए संस्था की तरफ से जन चेतना शिविरों का आयोजन किया जाना जरूरी है। जन चेतना शिविरों के लिए नगर निगम का सहयोग की जरूरत पड़ रही है। उन्होंने महापौर से नगर निगम के अधिकारियों की सहभागिता निश्चित करवाने का आग्रह किया है।

बिगड़ती स्वास्थ्य व्यवस्थाओं पर जताया रोष

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कोटद्वार के राजकीय बेस चिकित्सालय में लगातार बिगड़ रही स्वास्थ्य व्यवस्थाओं पर युवा कांग्रेस ने रोष व्यक्त किया है। कहा कि लगातार शिकायत के बाद भी सरकार व्यवस्थाओं को सुधारने पर गंभीरता नहीं दिखा रही। नतीजा अस्पताल रेफर सेंटर बन चुका है।

युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष विजय रावत के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डा. राजीव सिंह पाल से वार्ता की। कहा कि वर्तमान में बेस चिकित्सालय में चिकित्सकों के 58 पद सृजित है, जिनमें से मात्र 17 चिकित्सक ही कार्यरत है। कहा कि इनमें से फिजीशियन आजकल मेडिकल अवकाश पर हैं, जिससे मरीजों को वापस लौटना पड़ रहा है। इमरजेंसी कक्ष में भी पदों के सापेक्ष चिकित्सक न होने से इमरजेंसी भी प्रभावित हो रही है।

चिकित्सालय में विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी के चलते आए दिन मरीज रेफर हो रहे हैं। उन्होंने क्षेत्रीय विधायक के साथ ही स्वास्थ्य मंत्री पर भी बेस हास्पिटल पर ध्यान न दिए जाने का आरोप लगाया। कहा कि यदि शीघ्र ही बेस चिकित्सालय की व्यवस्थाओं में सुधार नहीं हुआ तो कांग्रेस कार्यकर्ता आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। इस मौके पर महावीर सिंह रावत, बृजपाल सिंह नेगी, हेमचंद्र पंवार, राजीव कपूर, नीरज बहुगुणा, दीपक, मनीष रावत, अभिषेक अग्रवाल, अंकुश घिल्डियाल मौजूद रहे।

निबंध प्रतियोगिता में संगीता ने मारी बाजी

निबंध प्रतियोगिता में प्रतिभागी करते हुए छात्र-छात्राएं।

जयन्त प्रतिनिधि। थलीसैंण : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय थलीसैंण में नमामि गंगे इकाई के तत्वावधान में 'गंगा स्वच्छ्ता' पखवाड़ा के कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। गंगा की स्वच्छता हमारी जिम्मेदारी विषय पर आयोजित निबध प्रतियोगिता में छात्र–छात्राओं ने बढ़ चढ़कर प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बीए द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा संगीता, बीएससी चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा सिया एवं बीएससी षष्ठम् सेमेस्टर की छात्रा पूजा रानी ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में कक्ष निरीक्षक के रूप में डॉ. सुधीर सिंह रावत, मूल्यांकनकर्ता के रूप में डॉ. अजय कुमार एवं डॉ. विनोद कुमार ने योगदान दिया। इस मौके पर प्रभारी प्राचार्य डॉ. छाया सिंह, नमामि गंगे नोडल अधिकारी डॉ. विवेक रावत आदि मौजूद रहे।

एलयूसीसी नामक कंपनी की करवाई जा रही जांच, निवेशकों को मिलेगा न्याय

कोटद्वार में पत्रकारों से वार्ता करते हुए बोले जिला सहकारी बैंक के निवर्तमान अध्यक्ष नरेंद्र सिंह रावत

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : जिला सहकारी बैंक के निवर्तमान अध्यक्ष नरेंद्र सिंह रावत ने कहा कि लोनी अर्बन मल्टी स्टेट क्रेडिट एंड थ्रिफ्ट कोआपरेटिव सोसाइटी (एलयूसीसी) के द्वार किए गए घपलों की जांच करवाई जा रही है। उक्त कंपनी से सरकार का कोई संबंध नहीं है। कहा कि निवेशकों को न्याय दिलवाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। जनता के साथ धोखा करने वालों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

कोटद्वार में पत्रकारों से वार्ता करते जिला सहकारी बैंक के निवर्तमान अध्यक्ष नरेंद्र सिंह रावत

गुरुवार को नरेंद्र सिंह रावत ने देवी रोड स्थित एक रेस्टोरेंट में पत्रकारों से वार्ता की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एलयूसीसी को सरकार से जोड़ रहे हैं। लेकिन, इस कंपनी का सरकार से कोई संबंध नहीं है। चिट फंड कंपनियों का पंजीकरण सहकारिता में नहीं होता। कहा कि यह जरूरी नहीं है कि जिन कंपनियों के आगे या पीछे कापारेटिव लगता है वह सरकार के अधीन आती हो। कहा कि प्रकरण सामने आया है कि एलयूसीसी नामक एक कंपनी धोखाधड़ी कर निवेशकों का पैसा लेकर फरार हो गई है। जब इस बारे में काबीना मंत्री डा. धन सिंह रावत को मालूम हुआ तो उन्होंने तुरंत डीजीपी उत्तराखंड से वार्ता कर निवेशकों को न्याय दिवालने के निर्देश दिए। एलयूसीसी को सहकारी समितियों से जोड़ना गलत है। सहकारी समिति का निबंधन जिला सहायक निबंधक कार्यालय पौड़ी व उप निबंधक गढ़वाल द्वारा पंजीकरण किया जाता है। जिसका अपना एक बोर्ड होता है। सहकारी समितियां जो भी कार्य करती हैं उनका संबंध जिला सहकारी बैंक से होता है। साथ ही बैंक का भी अपना स्वायत्य बोर्ड होता है, जिसका निर्णय वह स्वयं लेता है।

ऐसे में गबन में सहकारी मंत्री का नाम जोड़ना गलत है। बताया कि न्याय पंचायत स्तर पर जो सहकारी समितियां है उनका कार्य काश्तकारों को क्रेडिट कार्ड के माध्यम से कम दर पर ऋण देना, दीन दयाल उपाध्याय योजना के तहत किसानों को जीरो प्रतिशत पर ऋण देना आदि शामिल है। समितियों द्वारा किसी भी प्रकार से शेयर मार्केट में पैसा नहीं लगाया जाता। साथ ही इसके बायलोज में ऐसा कोई प्रवाधान भी नहीं है। कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावत स्वयं काबीना मंत्री डा. धन सिंह रावत के विकास कार्यों की सराहना कर चुके हैं। प्रदेश में लगातार शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में विकास कार्य हो रहे हैं। जिसकी जनता भी लगातार सराहना रही है।

अस्पताल में नौकरी करने वाले युवक पर हमला

देहरादून। सुभारती अस्पताल में नाइट ड्यूटी के लिए जा रहे युवक पर बीएफआईटी कॉलेज के पास हमला कर दिया गया। आरोप है कि हमले में युवक के सिर में गहरे घाव हुए। लहूलुहान और बेहोश होने पर हमलावर उसे छोड़कर फरार हो गए। प्रेमनगर थानाध्यक्ष मोहन सिंह ने बताया कि घटना बीते आठ मार्च की रात की है। बताया कि विजय कुमार डॉ. केकेबी मेमोरियल शुभारती अस्पताल में कार्यरत हैं। घटना की रात करीब 7:50 बजे हॉस्टल से हॉस्पिटल ड्यूटी पर जा रहे थे। इसी दौरान बीएफआईटी कॉलेज के पास एक कार से आए 8 से 10 युवकों ने विजय रोका। आरोपियों ने विजय पर लोहे की रॉड और सरिए से हमला कर दिया। हमले में विजय के सिर और शरीर के अन्य हिस्सों पर गंभीर चोटें आईं।

बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं पर ध्यान दें सरकार

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : प्रदेश के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी ने झंडीचौड़ स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर चिकित्सालय की स्वास्थ्य सेवाओं व सफाई व्यवस्थाओं को जायजा लिया। उन्होंने सीएमओ व चिकित्सा सचिव को दूरभाष पर वार्ता कर चिकित्सालय में पर्याप्त स्टाफ सहित समुचित सुविधा उपलब्ध करवाने का आग्रह किया।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण करते पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी

गुरूवार को पूर्व स्वास्थ्य मंत्री ने झंडीचौड़ स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पहुंच मरीजों का हालचाल जाना। साथ ही स्थानीय लोगों से चिकित्सालय कर्मियों की कार्यप्रणाली की जानकारी भी ली। पूर्व स्वास्थ्य मंत्री ने चिकित्सकों व चिकित्सा कर्मियों से भी व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की। चर्चा के दौरान चिकित्सकों ने स्वास्थ्य केंद्र संचालन में आ रही दिक्कतों के बारे में अवगत करवाया। सुरेंद्र सिंह नेगी ने दूरभाष पर सीएमओ व चिकित्सा सचिव से वार्ता कर चिकित्सालय में पर्याप्त स्टाफ सहित जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करवाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि चिकित्सालय परिसर में सफाई व्यवस्था व स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार लाने की जरूरत है। इस मौके पर प्रवीन रावत, पूजा देवी, कृष्ण चंद खंतवाल, सुखपाल शाह, सुभाष गुंसाई, शशि भूषण शाह, शिवम भूषण, राम प्रकाश, राम सिंह, मान सिंह, राजेंद्र सिंह, हरेंद्र सिंह मौजूद रहे।

शराब पीकर हुड़दंग मचाने वालों पर कार्रवाई

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीकर हुड़दंग मचाने वाले 13 व्यक्तियों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई की है। इस दौरान आमजन को कानून व्यवस्था बेहतर बनाने के लिए पुलिस का सहयोग करने की भी अपील की गई। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक रमेश तनवार ने बताया कि वर्तमान में आपरेशन मर्यादा के तहत सघन चैकिंग अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें सार्वजनिक, धार्मिक व पर्यटक स्थलों पर मादक पदार्थों को सेवन कर हुडदंग करने वाले लोगों को पैनी नजर रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने चैकिंग अभियान चलाकर कण्वाश्रम रोड व डिग्री कालेज रोड़ पर सार्वजनिक स्थानों पर हुडदंग करने वाले 13 लोगों को गिरफ्तार किया। आरोपितों के खिलाफ उत्तराखंड पुलिस अधिनियम के अंतर्गत चालनी कार्यवाही कर दी गई है।

गौरेया की लगातार घटती संख्या पर जताई चिंता

1000 से अधिक नेष्टबॉक्स पक्षी प्रेमियों को बांटे

कोटद्वार : गुरूवार को विश्व गौरैया दिवस पर पक्षी परिवार उत्तराखण्ड द्वारा जय देवभूमि फाउण्डेशन के सहयोग से निम्बूचौड़ स्थित एक बरातघर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर गौरेया संरक्षण पर कार्य कर रहे शिक्षक दिनेश कुकरेती ने 1000 से अधिक नेष्टबॉक्स पक्षी प्रेमियों को बांटकर पक्षियों को बचाने का संदेश दिया। इस दौरान शिक्षक श्री कुकरेती को सम्मानित किया गया। शिक्षक दिनेश कुकरेती ने गौरेया की लगातार घटती संख्या पर चिंता व्यक्त करते हुए लोगों से उसके संरक्षण की अपील करते हुए पर्यावरण सन्तुलन के लिये इस पक्षी को बचाने के लिये लोगों को आगे आने को कहा। आज गौरेया विलुप्ति की कगार पर है। उन्होंने कहा कि गौरेया हमारे परिवार का हिस्सा है। पक्षी और मानव एक-दूसरे के पूरक हैं। इसलिए हमें इनके संरक्षण पर ध्यान देना चाहिए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विजय जुयाल ने पक्षियों का मानव का अभिन्न मित्र बताया। उन्होंने कहा कि गौरेया संरक्षण के लिए विशेष कार्य होना चाहिए। पूर्व प्रमुख गीता नेगी ने कहा कि बहुत सी प्रजातियों की पक्षियां अब दिखाई नहीं देती है। सभी को पक्षियों के संरक्षण को लेकर कार्य करना होगा। रंजना रावत ने कहा कि गौरेयों की संख्या में कमी का मुख्य कारण आम व लीची के फूलों में कीट नाशक का प्रयोग है। इस मौके पर चन्द्रमोहन कुकरेती, सुप्रिया, विजय प्रकाश मधवाल, क्रेडल प्ले स्कूल निंबूचौड़ की संस्थापक रेणुका गुंसाई, मनमोहन काला, गोपाल कृष्ण बड़थ्वाल, चिंतामणी देवलाल, सुर्दशन कोटनाला, दीपक रावत, अधिवक्ता अमित सजवाण, शोभा रावत, सावित्री ममंगाई आदि मौजूद थे।

नपं अध्यक्ष जितेन्द्र चौहान को किया सम्मानित

नगर पंचायत सतपुली के नव निर्वाचित अध्यक्ष जितेन्द्र चौहान को सम्मानित करते हुए।

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : उत्तराखंड क्षत्रिय उत्थान संस्था कोटद्वार द्वारा नगर पंचायत सतपुली के नव निर्वाचित अध्यक्ष जितेन्द्र चौहान और समाजसेवी ठाकुर सुंदर सिंह चौहान को अंग वस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। गुरूवार को ठाकुर सुंदर सिंह चौहान वृद्ध आश्रम में आयोजित कार्यक्रम में संस्था के अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह रावत ने नगर पंचायत सतपुली अध्यक्ष जितेन्द्र चौहान एवं समाजसेवी ठाकुर सुंदर सिंह चौहान को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि समाज सेवी श्री चौहान का क्षत्रिय उत्थान समाजिक संस्था को निरंतर सहयोग मिलता रहता है। इस अवसर पर भारत सिंह नेगी उपाध्यक्ष, धीरेन्द्र सिंह नेगी सचिव, राजेंद्र सिंह बिष्ट कोषाध्यक्ष, भरत सिंह भंडारी, मीडिया प्रभारी जगमोहन डांगी, विनोद चौहान आश्रम प्रबंधक, पुनीत रावत आदि उपस्थित रहे।

वांछित वारंटी हरियाणा से किया गिरफ्तार

नई टिहरी : एसएसपी टिहरी आयुष अग्रवाल के कुशल नेतृत्व में 15 हजार का इनामी आरोपी को पुलिस ने सोनीपत हरियाणा से गिरफ्तार किया है। पुलिस की मीडिया सेल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि वांछित आरोपियों व वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए एसएसपी आयुष अग्रवाल के नेतृत्व में टिहरी पुलिस तत्परता से काम कर रही है। इस क्रम में थाना घनसाली व सीआईयु की टीम ने संयुक्त अभियान चलाकर लगातार अथक प्रयास व तकनीकी सहायता सर्विलांस से चोरी तथा गैंगस्टर के वांछित इनामी राकेश निवासी ग्राम होल्टा थाना घनसाली को सोनीपत हरियाणा से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी ने बताया कि वह गिरफ्तारी से बचने के लिए सोनीपत आ गया था। सोनीपत होटल में नौकरी कर रहा था। आरोपी ने कहा कि मुझे पता था कि पुलिस बार-बार मुझे ढूंढने मेरे घर आ रही है।

मंजू रावत को किया सम्मानित

: मंजू रावत को सम्मनित करते सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : बेहतर समाज सेवा के लिए राजेश्वरी करूणा बोक्सा जनजाति बालिका विद्यालय सर्वोदय चौक हल्दूखाता सह संस्थापिका मंजू रावत को विज्ञान प्रयोगधर्मी महिला सम्मान से सम्मानित किया गया है। मंजू रावत को उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (यूसर्क) सूचना प्रौद्योगिकी, सुराज व विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से यह सम्मान दिया गया।

सीआईएमएस कुंआवाला, देहरादून में आयोजित कार्यक्रम प्रो. डा. अनिल रावत, डा. मंजु सुंदरियाल, डा. रंजना रावत, सीआईएमएस के एडवोकेट ललित जोशी ने समाज सेवा के लिए मंजू रावत को सम्मानित किया। वक्ताओं ने कहा कि महिलाओं को सामाजिक क्षेत्र में आगे बढ़कर कार्य करना चाहिए। गढ़वाल सर्वोदय मंडल के अध्यक्ष डा. सुरेंद्र लाल आर्य ने मंजू रावत को सम्मानित किए जाने का स्वागत किया। कहा कि मंजू रावत को सम्मान मिलना क्षेत्र के लिए गौरव की बात है।

घटते ग्लेशियर से निपटने को लेकर पैरवी करना जरूरी : किशोर

नई टिहरी : टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय ने कहा कि देश-दुनिया में घटते ग्लेशियर और बढ़ते जल संकट को देखते हुए हिमालयी राज्यों, देशों को मिलकर पैरवी करनी जरूरी है। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी हिमालय और गंगा के सबसे बड़े हिमायती हैं।

यदि उन्होंने इस आंदोलन को लीड कर दिया तो, निश्चित ही अंतरराष्ट्रीय विरादरी को इस महत्वपूर्ण विषय पर एकमत होकर निर्णय लेना पड़ेगा। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि हालात यही रहे तो 2050 तक हिमालयी नदियां जलविहीन हो जाएंगी। मुंबई, चेन्नई, कोलकाता पानी में नीचे होंगे। पत्रकार वार्ता करते हुए टिहरी विधायक और हिमालय बचाओ--गंगा बचाओ अभियान वनाधिकार आंदोलन के प्रणेता किशोर उपाध्याय ने कहा कि हिमालय सहित अन्य पर्वतों में ग्लेशियर लगातार सिकुड़ रहे हैं। 22 मार्च को संयुक्त राष्ट्र संघ विश्व जल दिवस मनाता है। इस बार की थीम ग्लेशियरों कर वर्तमान स्थिति रखी गई है। जिसके लिए वह 22 मार्च को दिल्ली में उत्तराखंड के सांसदों, बुद्धिजीवियों, सामाजिक संगठनों और संत समाज के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक करेंगे। हिमालय पर एक तिहाई बर्फ खत्म हो चुकी है। आलम यह है कि इस पर्वतमाला पर बर्फ की पतली परत 3 गुना बढ़ गई है। एवरेस्ट में बर्फ की मोटाई 150 मीटर प्रतिवर्ष कम हो रही है। विधायक ने कहा कि 2002 तक नई टिहरी में 6 फुट तक बर्फ पड़ती थी, जो बीते एक दशक से लगभग गायब है। कहा कि महाकुंभ भी टिहरी बांध के कारण संपन्न हो पाया। 200 क्यूसेक पानी टिहरी बांध से डिस्चार्ज करने पर ही सदी का सबसे बड़ा सनातन आयोजन संपन्न हुआ। ऐसे में सभी को मिलकर इस समस्या के लिए आगे आना पड़ेगा। सिंगापुर, थाईलैंड, मलेशिया, इंग्लैंड जैसे देश भी पिघलते ग्लेशियरों के कारण पानी के नीचे होंगे। बेंनजुएला में ग्लेशियर समाप्त हो गए हैं। स्विट्जरलैंड की स्थिति भी खराब है। किशोर ने कहा कि उन्होंने अवधेशानंद गिरी, कैलाशानंद, चिन्मय पांड्या, हरि चेतन ब्रह्मचारी सहित इस क्षेत्र के एक्सपर्ट बीएन नवलावाला, अविनाश मिश्रा से भी बात की है। दिल्ली के सीएम रेखा गुप्ता को भी यमुना के संबंध में चर्चा करेंगे। उत्तराखंड ही 63 प्रतिशत जल पूरे देश को देता है, इसलिए हमारी जिम्मेदारी ज्यादा है। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष उदय रावत, पूर्व जिलाध्यक्ष विनोद रतूड़ी, चंबा मंडल अध्यक्ष सुशील बहुगुणा, जयेंद्र पंवार आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

गौरैया संरक्षण को जन आंदोलन बनाने की जरूरत

श्रीनगर गढ़वाल : राजकीय इंटर कॉलेज मंजाकोट-चौरास में गुरुवार को विश्व गौरैया दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर डॉ. अशोक कुमार बडोनी ने कहा कि कभी हर आंगन और खेतों में चहचहाने वाली गौरैया अब धीरे-धीरे हमारी आंखों से ओझल होती जा रही है। कहा कि आधुनिक जीवनशैली, शहरीकरण और पारिस्थितिक असंतुलन इस छोटे पक्षी के अस्तित्व के लिए बड़ा खतरा बन चुके हैं। कहा कि गौरैया केवल एक पक्षी नहीं, बल्कि यह पर्यावरणीय संतुलन की सूचक है। कहा कि अगर हमने इसे बचाने के प्रयास नहीं किए, तो आने वाले वर्षों में यह हमारी प्रकृति से पूरी तरह लुप्त हो जाएगी। हमें अपने घरों, बगीचों और सार्वजनिक स्थलों पर घोसलों की व्यवस्था करनी होगी और इसे दाना-पानी उपलब्ध कराना होगा। कहा कि गौरैया संरक्षण केवल एक पहल नहीं, बल्कि इसे एक जन आंदोलन बनाने की जरूरत है। जब तक हर व्यक्ति इस अभियान से नहीं जुड़ेगा, तब तक इस नन्हें पक्षी को बचाना मुश्किल होगा।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि जन्म प्रमाण पत्र संख्या B:2022:5-90033-002380 में मेरे पुत्र का नाम मोहम्मद तैमूर (MUHAMMAD TAIMUR) भूलवश गलत दर्ज हो गया है। जबकि मेरे पुत्र का सही व वास्तविक नाम मुहम्मद बिलाल (MUHAMMAD BILAL) है। अतः मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में मेरे पुत्र का सही व वास्तविक नाम मुहम्मद बिलाल (MUHAMMAD BILAL) दर्ज कर जन्म प्रमाण पत्र निर्गत किया जाय।

मौ0 अकरम पुत्र जलील अहमद
निवासी भौड गांव, तहसील कोटद्वार,
जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
(0812/21)

एक नजर

शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों ने की जांच

चमोली : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र थराली में आयुष्मान योजना के तहत विशेषज्ञ डॉक्टर के विशेष शिविर का आयोजित किया गया। शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा 143 से अधिक मरीजों का परीक्षण किया गया। सभी को दवाइयां एवं पैथोलॉजी जांच की गई। गुरुवार को आयोजित इस शिविर में फिजिशियन, ऑर्थोपेडिक सर्जन, डेंटल सर्जन, नेत्र रोग विशेषज्ञ एवं चर्म रोग विशेषज्ञों द्वारा 143 से अधिक मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। 16 मरीज का पैथोलॉजिस्ट संतोष देवराडी द्वारा पैथोलॉजी जांच की गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित इस शिविर का उद्घाटन नगर पंचायत थराली की अध्यक्ष सुनीता रावत एवं सभासद दिवाकर नेगी, मोहन पंत द्वारा सामूहिक रूप से किया गया। आयोजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की प्रभारी डॉक्टर अमित टम्टा की देखरेख में किया गया। इस दौरान डॉक्टर मितेश मंजुल, डॉक्टर हेम बिष्ट, फार्मासिस्ट गिरीश टम्टा सहित अन्य कर्मचारी एवं अधिकारी उपस्थित रहे। (एजेंसी)

गचौंणा तोक में पेयजल संकट, विभाग बना लापरवाह

चमोली : सरकार भले ही हर घर नल हर घर जल या जल जीवन मिशन योजना से प्रत्येक परिवार को पेयजल मुहैया करने की बात कर रही है वहीं दूसरी ओर सिलंगा ग्राम पंचायत का रंगचौंणा तोक आज भी पानी की कमी से जूझ रहा है। शिकायत करने के बाद भी पेयजल विभाग लापरवाह बना है। पूर्व प्रधान सिलंगा भरत नेगी का कहना है कि उनकी ग्राम पंचायत का रंगचौंणा तोक जिसमें अधिकांश अनुसूचित जाति के लोग निवासरत हैं, उन्हें सरकार की इस योजना का अभी तक लाभ नहीं मिल पा रहा है। मात्र दिखावे के लिए घरों में संयोजन दे दिये गये हैं, लेकिन उनमें पानी नहीं आ रहा है। ग्रामीण राजी देवी, बलवंत राम, महेश कुमार, रमेश राम आदि कहा कि पानी न होने के कारण ग्रामीणों का अधिकांश समय पानी की व्यवस्था करने में ही लग जाता है। पूर्व प्रधान भरत नेगी ने बताया कि इस संबंध में गत दिनों मेहलचौंरी में आयोजित बहुद्देशीय शिविर में भी संस्थान के जेई को इस संबंध में अवगत कराया जा चुका है। कहा कि यदि शीघ्र ग्रामीणों को पानी मुहैया नहीं होता है तो वे ग्रामीणों के साथ चक्का जाम करने का विवश होंगे। (एजेंसी)

पारिस्थितिक तंत्र में परिवर्तन से विलुप्त के कगार पर गौरैया

चमोली : पीजी कॉलेज कर्णप्रयाग में विश्व गौरैया दिवस पर भूगोल विभाग की ओर से व्याख्यान, भाषण एंव निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में सुहानी प्रथम और रोशनी द्वितीय, भाषण प्रतियोगिता मे अंकित कुमार प्रथम, निलाक्षी द्वितीय स्थान पर रही। इस अवसर पर डॉ. नरेंद्र पंघाल ने कहा कि पारिस्थितिक तंत्र में परिवर्तन से आज गौरैया पक्षी विलुप्त हो रही है। हमें इसके संरक्षण के लिए आगे आना होगा। डॉ. आरसी भट्ट ने कहा कि विश्व गौरैया दिवस का मकसद इस पक्षी के संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना है। उत्तराखंड में चिड़ियाओं की करीब 700 प्रजातियां हैं। गौरैया ग्रामीण एंव शहरी क्षेत्रों में दिखाई देती हैं, लेकिन अब इनकी संख्या कम हो गई हैं। इनके वास स्थल कम हुए है। गौरैया घरेलू और पालतू पक्षी है। बढ़ते रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग गौरैया के भोजन की चिन्ता बन गई हैं। यह पक्षी विश्व में तेजी से दुर्लभ हो रही है। पहले बड़ी हवेलियों और घरों में रोशनदान माले और लकड़ा के टांड होते थे। जिनमें गौरैया अपने घोंसले बनाती थी। समय परिवर्तन के साथ नए मकान बनते गए उससे गौरैया को घोंसले बनाने मे परेशानी हुई हैं। डॉ. बीसीएस नेगी ने कहा कि गौरैया की लगातार घटती संख्या एक चिन्ता का कारण बन गया है। डॉ. नेहा तिवारी ने कहा कि बढ़ती आबादी के साथ गौरैया विलुप्त होती जा रही है। (एजेंसी)

तुनेडा गांव का बुजुर्ग लापता

चमोली : विकासखंड नारायणबगड़ के तुनेडा गांव के एक बुजुर्ग व्यक्ति बुधवार से अपने घर ना पहुंचने पर परिजनों द्वारा पुलिश प्रशासन से गुमशुदगी दर्ज करवा कर फुटेज कैमरे की मदद से इनकी पड़ताल करने और परिजनों को सुपुर्द करने की मांग की। ग्राम प्रधान तुनेडा सुनीता देवी ने बताया कि उनके गांव के गौर सिंह रावत पुत्र हरि सिंह रावत उम्र 90 वर्ष ग्राम तुनेडा से बुधवार को घर से नारायणबगड़ को आंखों के चैक अप करने गए थे, लेकिन शाम तक घर ना पहुचने पर खोजबीन की गई। सभी रिश्तेदारों के यहाँ पर भी फोन से संपर्क कर ढूंढ खोज करने पर भी उनका कोई पता नहीं चल पाया। इस मामले में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। (एजेंसी)

डीएम से की परिसीमन यथावत रखने की उठाई मांग

नई टिहरी : जनपद के चंबा ब्लाक की पट्टी मनियार के स्थानीय लोगों से गुरुवार को डीएम मयूर दीक्षित से मुलाकात कर क्षेत्र पंचायत दिखोल गांव में असंवैधानिक रूप से बिना आम जानकारी के परिसीमन के तहत ग्राम सभा सुदाड़ा को हटाने पर नाराजगी जाहिर करते हुए इसे यथावत रखने की मांग की। जिस पर डीएम ने मामले की पड़ताल करवाकर उचित कार्यवाही का भरोसा दिया। डीएम को सौंपे पत्र में स्थानीय लोगों ने बताया कि उन्हें ब्लाक कार्यालय चंबा से पता चला कि क्षेत्र पंचायत दिखोलगांव का परिसीमन बिना ग्रामीणों व जनप्रतिधियों की सहमति से बिना जानकारी दिये किया गया है। यह भी जानकारी मिली की एक व्यक्ति के प्रस्ताव पर असंवैधानिक रूप से यह कार्यवाही की गई है। जिस व्यक्ति का प्रस्ताव है। वह इस क्षेत्र व गांव का भी रहने वाला नहीं है। परिसीमन को सरासर गलत बताते हुए स्थानीय लोगों ने डीएम से परिसीमन को पूर्व की भांति यथावत रखने की मांग की है। साथ ही इस तरह के असंवैधानिक परिसीमन पर नाराजगी जाहिर कर कार्यवाही मांग की है। इस मौके पर धीरेंद्र रावत, प्रवीन रावत, अरविंद तोमर, भक्तनंद बिजल्वाण, उपेंद्र सकलानी, पवन नेगी, जितेंद्र सिंह, दिलवर नेगी, प्रशांत, अनिल, दीपक, दिनेश नेगी आदि शामिल रहे। (एजेंसी)

कंडारी को मिली समन्वयक की जिम्मेदारी

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल विवि में अर्थशास्त्र विभाग के प्रो. प्रशांत कंडारी को रीजनल सर्विसेज डिवीजन, इग्नू नई दिल्ली ने विवि में स्थित इग्नू अध्ययन केंद्र के समन्वयक के रूप में नियुक्ति प्रदान की है। प्रो. कंडारी ने अध्ययन केंद्र के समन्वयक के रूप में विधिवत कार्यभार ग्रहण कर लिया है। प्रो. कंडारी ने बताया कि अध्ययन केंद्र 31 मार्च तक विभिन्न पाठ्यक्रमों स्नातकोत्तर स्तर पर एमसीए, एमकॉम, एमएसडब्लू, अर्थशास्त्र, राजनीति शास्त्र, इतिहास, हिंदी के साथ ही बीए, बीकॉम, बीएससी, बीसीए तथा बीलिव में स्नातक स्तर पर प्रवेश उपलब्ध करवाएगा। बताया कि इग्नू ओपन विवि से सौ से अधिक डिप्लोमा पाठ्यक्रम एवं सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों में भी प्रवेश किया जा सकता है। बताया कि छात्र-छात्राएं अपने नियमित पाठ्यक्रमों के साथ-साथ इग्नू के पाठ्यक्रम में प्रवेश ले सकते हैं। (एजेंसी)

छात्रों ने टेलीस्कोप बनाने के गुर सीखें

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि के खगोल भौतिकी तारामंडल एवं भौतिक विज्ञान विभाग द्वारा यूकॉस्ट देहरादून के सहयोग से दो दिवसीय खगोलीय टेलीस्कोप निर्माण कार्यशाला का गुरुवार को समापन हुआ। कार्यशाला में 65 छात्रों और संकाय सदस्यों ने भाग लेते हुए टेलीस्कोप निर्माण एवं खगोलीय अवलोकन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त की। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति प्रो. एम.एम.एस. रौथान और सलाहकार, रूसा, उत्तराखंड सरकार डॉ. के.डी. पुरोहित ने किया। कार्यशाला की शुरुआत खगोल भौतिकी के परिचयात्मक व्याख्यान से हुई, जिसमें टेलीस्कोप की संरचना, घटकों और उनके अनुप्रयोगों पर चर्चा की गई। इसके बाद डॉ. आशीष रतूड़ी ने खगोलीय टेलीस्कोप पर एक विस्तृत व्याख्यान दिया। कार्यशाला का प्रमुख आकर्षण हाथों-हाथ टेलीस्कोप निर्माण, कोलिमेशन और एलाइनमेंट सत्र रहा, जिसका संचालन तुषार पुरोहित और एम. मेटे (आईयूसीएए, पुणे) द्वारा किया गया। इस दौरान प्रतिभागियों ने स्वयं टेलीस्कोप बनाने और उसे सुचारू रूप से कार्य करने के लिए समायोजित करने का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया। कार्यशाला का समापन इंटरएक्टिव चर्चा सत्र और स्काई वॉचिंग कार्यक्रम के साथ हुआ, जहां प्रतिभागियों ने रात के आकाश में विभिन्न खगोलीय पिंडों का अवलोकन कर अपने सीखे हुए ज्ञान को व्यवहार में लागू किया। निदेशक, आरडीसी प्रो. हेमवती नंदन पांडेय ने बताया कि यह कार्यशाला सिद्धांत और प्रयोगात्मक ज्ञान का उत्कृष्ट समावेश थी, जिससे प्रतिभागियों को खगोलीय अवलोकन और टेलीस्कोप प्रौद्योगिकी की गहरी समझ प्राप्त हुई।

सब स्टेशन बनने से केदारघाटी की विद्युत आपूर्ति होगी बेहतर

रुद्रप्रयाग : पावर ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन ऑफ उत्तराखंड लिमिटेड (पिटकुल) द्वारा केदारघाटी के रुद्रपुर ग्राम में 220 केवी विद्युत सब-स्टेशन के निर्माण की योजना तैयार की गई है। इस सब-स्टेशन के बनने से मन्दाकिनी घाटी में स्थित उत्तराखंड जल विद्युत निगम लिमिटेड (यूजेवीएनएल) की 4 मेगावॉट की कालीगंगा प्रथम, 4.5 मेगावॉट की कालीगंगा द्वितीय, 15 मेगावॉट की मद्महेश्वर एवं 76 मेगावॉट की प्रस्तावित फाटा-व्यूंग जल विद्युत परियोजनाओं से उत्पादित विद्युत ऊर्जा की सुचारु आपूर्ति संभव हो सकेगी।

पिटकुल के अधिशासी अभियंता हिमांशु चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान में जनपद रुद्रप्रयाग में पिटकुल का कोई भी सब-स्टेशन नहीं है, जिसके चलते जनपद की जनता को लो वोल्टेज और बार-बार ट्रिपिंग की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। जबकि यूजेवीएनएल की वर्तमान जल विद्युत परियोजनाओं से उत्पादित कुल 14.5 मेगावाट विद्युत में से व्यस्ततम घंटे अधिकतम 11 से 12 मेगावाट ही निकासी संभव हो पा रही है, जिससे प्रदेश को राजस्व की हानि भी हो रही है। उन्होंने बताया कि उपसंस्थान के निर्माण के बाद न केवल इन परियोजनाओं से पूर्ण क्षमता में विद्युत निकासी हो सकेगी, बल्कि यूपीसीएल के 33 केवी सब-स्टेशन गुप्तकाशी और ऊखीमठ सहित केदारनाथ धाम यात्रा मार्ग के सभी ग्रामों, कस्बों और यात्री विश्राम स्थलों को गुणवत्तापूर्ण एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति कराई जा सकेगी। इसके अलावा केन्द्र सरकार की अत्यंत महत्वपूर्ण केदारनाथ रोपवे परियोजना के लिए भी विद्युत आपूर्ति इसी उपसंस्थान के माध्यम से की जाएगी। उन्होंने कहा कि यदि यह परियोजना पूरी नहीं होती है, तो भविष्य में केदारनाथ घाटी में विद्युत संकट बना रहेगा, जिससे रोपवे जैसी परियोजना पर भी प्रतिकूल असर पड़ सकता है। (एजेंसी)

पार्षदों ने नालियों की सफाई करने की मांग

श्रीनगर गढ़वाल : नगर निगम क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग से उत्पन्न होने वाली समस्याओं को लेकर नगर के पार्षदों ने गुरुवार को राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिशासी अभियंता को ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में पार्षद प्रदीप राणा, सूरज नेगी, सुमित सिंह बिष्ट, उज्जवल अग्रवाल, विकास चौहान, मीना देवी, भावना चौहान, सुनीता, पूजा, कुसुमलता, विजय कुमार चमोली ने कहा कि शहर से लगी राष्ट्रीय राजमार्ग की सभी नालियों की सफाई न होने के कारण पानी की सही निकासी नहीं हो पा रही है, जिससे पानी का सही निस्तारण न हो कर गंदा पानी सड़कों में बह रहा है। कहा कि एनएच में अधिकांश जगहों पर गुड्ढे पड़े हुए हैं, जिससे दुर्घटनाओं का सबब बन हुआ है। कहा कि तेज रफ्तार से चलने वाले वाहनों को देखते हुए शहर के अन्तर्गत भीड़-भाड़ व विद्यालय वाले स्थानों पर स्पीड ब्रेकर और सड़क दुर्घटना से बचने के लिए चौराहों पर और अंधे मोडो या सीमित दृश्यता वाले जगहों पर यातायात दर्पण (उत्तल दर्पण) लगाये जाने और एनएच के समीप बने स्कवर (नरदाना) की समय-समय पर सफाई किए जाने की मांग की है। कहा कि यदि पांच सूत्रीय मांगों पर एक सप्ताह के भीतर सकारात्मक कार्यवाही नही होती है तो नगर निगम के सभी पार्षद आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

भ्रष्टाचार के खिलाफ मिलकर लड़ेंगे लड़ाई

चमोली : उत्तराखंड स्वाभिमान मोर्चा ने चमोली के जिला मुख्यालय गोपेश्वर में उत्तराखंड के जनता, जल, जमीन, जंगल, युवा पीढ़ी के वर्तमान भविष्य, रोजगार, राजनीतिक, सामाजिक मूल्यों पर मंथन किया। उत्तराखंड स्वाभिमान मोर्चा के नेताओं के साथ ही बड़ी संख्या में युवा और सामाजिक संगठनों से जुड़े लोग इस गोष्ठी में पहुंचे। लगभग तीन घंटे चले विचार विमर्श में वक्ताओं और नेताओं ने राज्य को संवारने और उत्तराखंड राज्य निर्माण के शहीदों और राज्य निर्माण आन्दोलन के आन्दोलनकारियों की अपेक्षा के अनुसार सुराज और स्वाभिमान के उत्तराखण्ड को बनाये रखने का संकल्प लिया। उत्तराखंड स्वाभिमान मोर्चा की गोष्ठी में मुख्य फोकस उत्तराखण्ड में मूल निवास, सशक्त भू-कानून बनाने तथा उत्तराखण्ड में भ्रष्टाचार के खिलाफ मिलकर लड़ाई लड़ने की बात रही। उत्तराखंड की राजनीति में युवाओं के संगठन उत्तराखंड स्वाभिमान मोर्चा के नेताओं ने गोपेश्वर में गुरुवार को आयोजित बैठक में उतराखण्ड के स्वाभिमान की लड़ाई को अपना संकल्प और लक्ष्य बताया। साथ ही उतराखण्ड के जल जमीन और संसाधनों पर उत्तराखंड और यहां की जनता का पहला हक बताते हुए नया उत्तराखंड, भ्रष्टाचार मुक्त उत्तराखंड निर्माण का व्रत लिया। उत्तराखंड स्वाभिमान मोर्चा ने गोपेश्वर में आयोजित गोष्ठी में जनपद चमोली इकाई का गठन भी किया। उत्तराखंड स्वाभिमान मोर्चा के त्रिभुवन चौहान ने कहा कि उतराखण्ड के सुरक्षित भविष्य किस तरह से इस लड़ाई को लड़ा जाए उतराखण्ड के जल जंगल जमीन पर माफिया लगातार कब्जा कर रहे हैं। उतराखण्ड के मूल निवसियों को उनके हकों से बेदखल किया जा रहा है इन मूल उद्देश्यों पर मिलकर कार्य करने की जरूरत है। मोर्चा के नेता बाबी पंवार ने कहा हम उत्तराखंड के लोग देश की सीमाओं के प्रहरी भी हैं। युवाओं के वर्तमान और भविष्य की कोई रीति नीति सरकारों के पास नहीं है। बडे बडे दल सिर्फ बड़ी बड़ी बातें करते हैं। पर जमीनी हकीकत से इन दलों का कोई सम्बन्ध नहीं है। उत्तराखंड की राजनीति में मास्टर जी के नाम से जाने जाने वाले और उत्तराखंड स्वाभिमान मोर्चा के नेता ने कहा उत्तराखंड स्वाभिमान मोर्चा उत्तराखंड की जमीनी लडाई, संघर्ष और उत्तराखंड के मान सम्मान के लिए जनता के बीच में है। उत्तराखंड स्वाभिमान मोर्चा के युवा नेता लुसुन टोडरिया ने युवाओं और उत्तराखंड की आम जनता का आह्वान करते हुये कहा अभी न जुड़े न जुटे और मिलकर न लडे तो उत्तराखंड कैसे संवरेगा। कहा उत्तराखंड मूल निवास, सशक्त भू-कानून और रोजगार तथा उत्तराखंड की पहचान स्वाभिमान हमारा मूल्य संकल्प है।

सूबे में समग्र शिक्षा के तहत पहली बार लगेगा रोजगार मेला

—शिक्षा मंत्री डॉ. रावत की पहल पर युवाओं को मिलेगा सुनहरा अवसर—आगामी 23 मार्च को देहरादून में जुटेंगी कई बहुराष्ट्रीय कम्पनियां

देहरादून। प्रदेश के विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत की एक और पहल प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को नया आयाम देगी। इस महत्वकांक्षी पहल के तहत पहली बार समग्र शिक्षा के तहत आगामी 23 मार्च को रोजगार मेला का आयोजन किया जायेगा। जिसमें एक दर्जन राष्ट्रीय और बहुराष्ट्रीय कंपनियां की भागीदारी सुनिश्चित की गई है। इस आयोजन में प्रदेश के 559 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में व्यावसायिक शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्र-छात्राओं को रोजगार के बेहतर अवसर मिलेंगे।

समग्र शिक्षा उत्तराखंड के अपर राज्य परियोजना निदेशक कुलदीप गैरोला के मुताबिक प्रदेश के विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत के निर्देश पर विद्यालयी शिक्षा विभाग के अंतर्गत पहली बार रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आगामी 23 मार्च को देहरादून के हिन्दू नेशनल इण्टर कॉलेज में आयोजित रोजगार मेला विशेष रूप से प्रदेश के राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में व्यावसायिक शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्र-छात्राओं के जॉब प्लेसमेंट के लिये आयोजित किया जा रहा है। अब तक 600 से अधिक छात्र-छात्राओं ने रोजगार मेले हेतु पंजीकरण करा लिया है। उन्होंने बताया कि रोजगार मेले में प्रतिष्ठित व्यावसायिक व औद्योगिक फर्म भाग ले रही हैं। जिसमें अशोक लेलैंड, हीरो मोटोकॉर्प, वीएलसीसी, पतंजलि, जुबिलैंट, ग्रीन कॉल, नॉर्थस्टार, रिलाइंस रिटेल, सोडेक्सो, जेना रिजॉर्ट और श्नाइडर इलेक्ट्रिक कम्पनी शामिल है, जो इन कुशल युवाओं के लिये विविध रोजगार के अवसर प्रदान करेगी। उन्होने कहा कि इस ऐतिहासिक पहल का मकसद छात्र-छात्राओं को व्यावसायिक शिक्षा से जोड़कर उन्हें उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षित कर आत्मनिर्भर बनाना है।

एपीडी समग्र शिक्षा ने बताया कि नई शिक्षा नीति-2020 के प्रावधानों के तहत प्रदेश के 559 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा-9 से 12 तक व्यावसायिक शिक्षा प्रदान की जा रही है। जिसके तहत कृषि, ऑटोमेटिव, आईटी, पलम्बरिंग, रिटेल, टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी, ब्यूटी एंड वेलनेस तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एंड हार्डवेयर के कोर्स संचालित किये जा रहे हैं। जिससे लगभग 42000 छात्र-छात्राएं लाभान्वित हो रहे हैं।

केक काटकर धूमधाम से मनाया गौरेया दिवस

देहरादून। टीम मै हूं सेवादार की ओर से गुरुवार को गौरेया दिवस केक काटकर धूमधाम से मनाया गया। गौरेया को बचाने का संकल्प लिया गया। टीम मै हूं सेवादार के सदस्य कई सालों से गौरेया बचाने की मुहिम में लगे हैं और लोगों को घोंसले भेंट करते हैं। संयोजक संदीप गुप्ता ने कहा कि भोजन संकट, पेडो के कटान, घरों की बनावट व बदलता स्वरूप गौरेया को धीरे-धीरे हमारे घरों से दूर करता जा रहा है। संगठन गौरेया को घरों में बुलाने का प्रयास कर रहे हैं। दून के अलावा प्रदेश के अन्य जिलों, पंजाब, काशी, नोएडा, दिल्ली, बलिया, मुंबई, पुणे आदि में पक्षी प्रेमी जुडे हुए हैं। सोशल मीडिया से संपर्क में आई पुणे मुंबई की रश्मि पाटिल ने गौरेया के लिए मोतीचूर के लड्डू ऑनलाइन भिजवाए। इस दौरान नवीन, धीरज, प्रवीन, पूनम जोशी, मनीषा, संजय गर्ग, राजेन्द्र रावत, संजीव मिश्रा, विवेक, भानु रावत, कैलाश गुडियाल, विनोद गौड, संध सुरेन्द्र भारद्वाज आदि मौजूद रहे।

तीन युवकों पर जानलेवा हमले के कई आरोपियों पर केस

देहरादून। इंजीनियर एंक्लेव, हरिपुर में होली मिलन समारोह के दौरान खूनी संघर्ष हुआ। आरोप है कि तीन युवकों पर चापड़, डंडों से हमला करते हुए गंभीर घायल कर दिया गया। ममले में बसंत विहार थाना पुलिस ने चार नामजद और उनके अज्ञात साथियों के खिलाफ जानलेवा हमले की धाराओं में केस दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है।

इंस्पेक्टर बसंत विहार प्रदीप रावत ने बताया कि कांवली निवासी गौरव डबराल ने बसंत विहार थाने में तहरीर दी। कहा कि वह और उनका मित्र आकाश गौड़ व विनीत बीती 13 मार्च की रात करीब 11:30 बजे होली मिलन समारोह में गए थे। तभी वहां अर्पित राठी, उसका चचेरा भाई तनिष्क, वासू और विवेक अपने अन्य साथियों के साथ डंडे और चापड़ लेकर पहुंचे। आरोप है कि दोनों पर जानलेवा हमला कर दिया। गौरव का आरोप है कि तनिष्क ने उनके सिर पर चापड़ से वार किया, जिससे सिर फट गया। इसके बाद अर्पित और उसके अन्य साथियों ने डंडों से हमला कर दिया। हमले में गौरव के साथी आकाश गौड़ और विनीत भी घायल हुए। आरोप है कि वासू ने विनीत के गले पर चापड़ से वार किया। जिसे विनीत ने हाथ से रोक लिया, नहीं तो उसकी गर्दन कट सकती थी। घटना के बाद शोरगुल सुनकर आस-पास के लोग मौके पर पहुंचे, जिन्हें देख हमलावर जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। पीड़ितों का कहना है कि दबाव के चलते वे समय पर रिपोर्ट दर्ज नहीं करा सके। बसंत विहार थानाध्यक्ष प्रदीप रावत ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर अर्पित राठी, तनिष्क, वासू, विवेक समेत अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने उत्तराखण्ड सचिवालय में फिजियोथैरेपी सेंटर का शुभारम्भ किया

देहरादून। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने उत्तराखण्ड सचिवालय में फिजियोथैरेपी सेंटर का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर सचिवालय के सभी कार्मिकों को बधाई देते हुए हुए मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने कहा कि सचिवालय में फिजियोथैरेपी की सुविधा उपलब्ध होने से अधिकाधिक कार्यरत कार्मिक लाभान्वित होंगे। सचिवालय कार्मिकों को ससमय कार्यस्थल पर ही बेहतरीन फिजियोथैरेपी सुविधा उपलब्ध करवाने का यह प्रयास प्रशंसनीय है। मुख्य सचिव ने इस पहल के लिए चिकित्सा शिक्षा विभाग तथा उत्तराखण्ड सचिवालय संघ की सराहना की। इस अवसर पर सचिव महानिदेशक स्वास्थ्य डॉ० सुनिता टम्टा, निदेशक चिकित्सा शिक्षा डॉ आशुतोष स्याणा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी देहरादून डॉ मनोज शर्मा, चिकित्साधिकारी डॉ विमलेश जोशी, डा० रविन्द्र सिंह राणा, उत्तराखण्ड सचिवालय संघ के सभी पदाधिकारी एवं सचिवालय के कार्मिक मौजूद रहे।

पछवादून के लोगों ने एमडीडीए कार्यालय पर किया प्रदर्शन

देहरादून। पछवादून क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग और निर्माण के खिलाफ कार्रवाई नहीं होने पर क्षेत्र के लोगों का आक्रोश बढ़ गया है। गुरुवार को जन अधिकार पार्टी के बैनर तले लोग एमडीडीए कार्यालय पर धमके। यहां एमडीडीए के खिलाफ नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। चेताया कि यदि 15 दिन के भीतर कार्रवाई नहीं हुई तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ललित श्रीवास्तव के नेतृत्व में पहुंचे लोगों ने एमडीडीए उपाध्यक्ष से मुलाकात की और क्षेत्र के सहायक अभियंता पर कई आरोप भी लगाए। कहा कि सहायक अभियंता से कई बार अवैध प्लाटिंग और निर्माण की शिकायत की गई, लेकिन वे सुनने को तैयार नहीं है।

24 मार्च को स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय का सातवां दीक्षांत समारोह

ऋषिकेश। स्वामी राम हिमालयन विवि (एसआरएचयू) जौलीग्रांट में 24 मार्च को सातवें दीक्षांत समारोह का आयोजन किया जाएगा। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेनि.) गुरमीत सिंह मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे। एसआरएचयू के अध्यक्ष डॉ. विजय धस्माना ने बताया कि विवि के सातवें दीक्षांत समारोह को यादगार बनाने के लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। 24 मार्च को सुबह 11 बजे से दीक्षांत समारोह का शुभारंभ होगा। अध्यक्ष डॉ. विजय धस्माना ने बताया कि राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेनि.) गुरमीत सिंह का दीक्षांत समारोह में शिरकत करना एसआरएचयू से जुड़े छात्र-छात्राओं, फैकल्टी और कर्मचारियों के लिए सम्मान की बात है। विवि के छात्र-छात्राओं के लिए 24 मार्च का दिन ऐतिहासिक होगा। दीक्षांत समारोह के सफल आयोजन के लिए विवि में विभिन्न समितियों का गठन किया गया है। दीक्षांत समारोह में मेडिकल, पैरामेडिकल, नर्सिंग, मैनेजमेंट, इंजीनियरिंग, योगा, बायोसाइंसेज और फार्मेसी कॉलेज के करीब एक हजार छात्र-छात्राओं को डिग्री प्रदान की जाएगी। साथ ही 39 टॉपर छात्र-छात्राओं को एकेडमिक अवॉर्ड, एक छात्र को स्वामी राम बेस्ट ग्रेजुएट अवॉर्ड जबकि 21 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि से सम्मानित किया जाएगा। अध्यक्ष डॉ. विजय धस्माना ने बताया कि वर्ष 2016 में एसआरएचयू का प्रथम दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया था, जिसमें तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने बतौर मुख्य अतिथि समारोह की शोभा बढ़ाई थी। वर्ष 2017 में आयोजित द्वितीय दीक्षांत समारोह में उपराष्ट्रपति वैंकेया नायडु मुख्य अतिथि के रुप में शामिल हुए। जबकि तृतीय दीक्षांत समारोह में उत्तराखंड की तत्कालीन राज्यपाल बेबी रानी मौर्य व चतुर्थ दीक्षांत समारोह में तत्कालीन केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ.रमेश पोखरियाल निशंक मुख्य अतिथि रहे। इसी कड़ी में बीते वर्ष 2022 में आयोजित पंचम (पांचवें) दीक्षांत समारोह में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए थे।

भीमराव अंबेडकर मोर्चा ने की सैनिक कल्याण मंत्री से चकराता में अंबेडकर प्रतिमा स्थापना की मांग

देहरादून। भारत रत्न, संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थापना की मांग को लेकर बाबा साहेब डा. बी०आर० अम्बेडकर संयुक्त मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी से उनके कैंप कार्यालय में मुलाकात की।

मोर्चा के पदाधिकारियों ने मंत्री गणेश जोशी को एक ज्ञापन सौंपते हुए चकराता बाजार में संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थापना के लिए अनुमति प्रदान करने की मांग की गई। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि चकराता क्षेत्र को 24 जून 1967 को डॉ. अंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान के प्रावधानों के तहत जनजातीय क्षेत्र का दर्जा प्राप्त हुआ, जिससे यहां के लोगों को आरक्षण का लाभ मिला और क्षेत्र के समग्र विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ। लेकिन यह चिंता का विषय है कि अब तक इस महापुरुष की कोई प्रतिमा या पार्क क्षेत्र में स्थापित नहीं किया गया है।

मोर्चा के पदाधिकारियों ने चकराता बाजार में प्रतिमा स्थापना के लिए पड़ाव (चिल्ड्रन पार्क), चिल्ड्रन पार्क और ठाणा डांडा में से किसी एक स्थान को स्वीकृति देने का आग्रह किया। उन्होंने मंत्री गणेश जोशी से अनुरोध किया कि इस मामले को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के समक्ष सशक्त संस्तुति के साथ प्रस्तुत किया जाए, ताकि केंटोनमेंट बोर्ड चकराता या कमांडेंट स्पेशल फ्रंटियर फोर्स चकराता से स्वीकृति प्राप्त की जा सके। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त करते हुए कहा कि वे इस विषय पर गंभीरता से उचित कार्रवाई का सकारात्मक भरोसा दिलाया। मंत्री ने कहा कि प्रकरण में प्रतिनिधि मंडल के अनुरोध पर उन्होंने केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह को पत्र भी प्रेषित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और समता के प्रतीक हैं, और उनकी प्रतिमा की स्थापना के लिए सरकार हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। इस अवसर पर अध्यक्ष गोपाल दीनदयाल, उपाध्यक्ष बारू निराला, सचिव मायादास, कोषाध्यक्ष विकारा जौनसारी, महा सचिव अनिल वर्मा, नन्दलाल भारती सहित कई लोग उपस्थित रहे।

पूर्व सैनिकों को लामबंद करने की तैयारी में कांग्रेस

देहरादून। विधानसभा चुनाव 2027 के लिए कांग्रेस ने पूर्व सैनिकों को अपने पक्ष में लामबंद करने की तैयारी शुरू कर दी है। गुरुवार को कांग्रेस भवन में हुई बैठक में बूथ, ब्लॉक और जिला स्तर पर पूर्व सैनिकों के संगठन के विस्तार पर जोर दिया गया। कांग्रेस पूर्व सैनिक विभाग के उपाध्यक्ष कर्नल आरएस नेगी की अध्यक्षता में हुई बैठक में 2027 विधानसभा चुनाव में पूर्व सैनिक संगठन की भूमिका पर विचार विमर्श किया गया। प्रदेश के सभी जिला, ब्लाक स्तर, बूथ लेवल पर पूर्व सैनिकों के संगठन का विस्तार पर जोर दिया गया। ताकि चुनावों में कांग्रेस को इसका लाभ मिल सके। तय किया गया कि जल्द जिलों में बैठकें शुरू की जाएंगी। उपाध्यक्ष आरएस नेगी ने प्रदेश भर में पूर्व सैनिकों के साथ मारपीट की घटनाओं का संज्ञान लेते हुए सामूहिक रूप से खेद व्यक्त किया।

आईडीपीएल में स्ट्रीट लाइट की बत्ती गुल

ऋषिकेश। आईडीपीएल में ऊर्जा निगम ने स्ट्रीट लाइट और सीवरेज प्लांट का कनेक्शन काट दिया है, जिससे कंपनी की टाउनशिप में दिन ढलने के बाद न सिर्फ अंधेरा पसर जा रहा है, बल्कि सीवर सिस्टम ठप होने से घरों के आंगन और सड़कों पर गंदगी फैल रही है। अंधेरे में स्थानीय लोगों को हादसों के साथ ही वन्यजीवों के हमले का डर भी बना हुआ है। गुरुवार को ऊर्जा निगम की कार्रवाई के विरोध में टाउनशिप के लोगों ने तहसील में प्रदर्शन कर एसडीएम स्मृता परमार को ज्ञापन सौंपा। बताया कि आईडीपीएल टाउनशिप में काबिज परिवारों का मामला हाईकोर्ट में विचाराधीन है। कोर्ट यहां के लोगों मूलभूत सुविधाओं से संबंधित जिक्र पूर्व के आदेश में भी कर चुका है। उन्होंने निगम के अधिकारियों पर मनमानी का आरोप लगाते हुए कार्रवाई को अन्याय बताया। बोले, स्ट्रीट लाइट और सीवरेज प्लांट का कनेक्शन कटने से टाउनशिप में सैंकड़ों परिवारों को रोजाना दुश्वारियां से जूझना पड़ रहा है। उन्होंने नारेबाजी करते हुए हाईकोर्ट के आदेश के क्रम में स्ट्रीट लाइट व प्लांट में विद्युत आपूर्ति शीघ्र सुचारू करने की मांग की, जिसपर एसडीएम ने उन्हें आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिया। प्रदर्शनकारियों में महावीर सिंह, धर्म मित्र, सुनील कुटलेहड़िया, एसबी सिंह, संजीव शर्मा, रामेश्वरी चौहान, सौरभ गुप्ता, कृष्ण कुमार शर्मा, आशीष कुमार, शिव ठाकुर, रचपाल सिंह, छब्बीलाल, राकेश, चंदू आदि शामिल रहे।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
—सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382—222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com